www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 04 || अम्बेडकरनगर
गुरूवार
26 मार्च 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:05
सूर्यास्तः 06:20
अधिकतमः 35.00
न्यूनतमः 22.00

विशेष समाचार
नवमीः रामतत्व की पूर्णता ... » पेज 04
'बेटा गद्दार हो तो सजा मिले'... » पेज 06
मोनालिसा ने डायरेक्टर ...
» पेज 07

फुटपाथ पर 'लोकतंत्र'

एनेक्सी का गेट बंद : सड़क पर हुआ पत्रकारों का चुनाव

प्रशासन ने रोकी एंट्री ■ शेखर पंडित अध्यक्ष ■ ज्ञानेश पाठक महासचिव चुने गए

हेमन्त कृष्ण, स्वतंत्र पत्रकार

तमसा संकेत, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को लोकतंत्र की एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने न सिर्फ पत्रकार जगत को चौंकाया, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति (पुनर्गठित) का वर्ष 2026-27 का चुनाव, जो एनेक्सी मीडिया सेंटर के भीतर संपन्न होना था, वह अंततः लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनएफसी गेट) के बाहर सड़क पर कराया गया। तपती धूप, बैरिकेडिंग और पुलिस मौजूदगी के बीच पत्रकारों ने सड़क पर ही मतदान किया और यहीं मतगणना भी पूरी हुई। यह पूरा घटनाक्रम करीब छह घंटे तक चला, जिसके दौरान यातायात भी प्रभावित रहा।

● एनएफसी गेट के बाहर सड़क पर बैलट बॉक्स रखकर मतदान करते पत्रकार

अनुमति के बाद भी बदले हालात

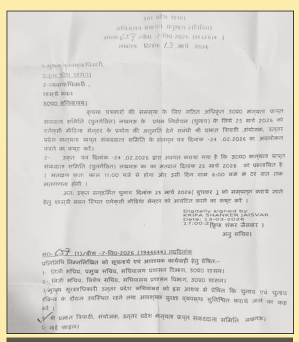
तमसा संकेत इस आदेश की पुष्टि नहीं करता है

चुनाव की प्रक्रिया की शुरुआत पूरी तरह विधिवत और प्रशासनिक अनुमति के साथ हुई थी। 16 मार्च से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया 23 मार्च तक एनेक्सी मीडिया सेंटर के भीतर ही शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हो चुकी थी। नामांकन, जांच और नाम वापसी की सभी औपचारिकताएं निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न हो चुकी थीं।

इसके बाद 25 मार्च को मतदान के लिए भी व्यवस्था तय कर दी गई थी, लेकिन मतदान के दिन अचानक हालात बदल गए। पत्रकारों को एनेक्सी परिसर में प्रवेश से रोक दिया गया और गेट बंद कर दिए गए, जिससे पूरी चुनाव प्रक्रिया बाधित हो गई।

मजबूरी में सड़क पर शुरू हुआ मतदान

एनेक्सी में प्रवेश न मिलने के बाद संयोजक प्रभात त्रिपाठी ने मौके पर ही निर्णय लेते हुए सड़क पर चुनाव कराने का ऐलान किया। एनएफसी गेट के बाहर बीच सड़क पर बैलट बॉक्स रखकर मतदान प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

सुबह 11 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 4 बजे तक चला है और पूरी प्रक्रिया पुलिस व मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो चुकी है। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना भी वहीं सड़क पर पूरी कर ली गई है।

प्रमुख पदों के परिणाम घोषित हो चुके हैं

सड़क पर हुए इस चुनाव में कई महत्वपूर्ण पदों के परिणाम घोषित किए गए। अध्यक्ष पद पर शेखर पंडित ने स्पष्ट बढ़त के साथ जीत हासिल की, जबकि महासचिव पद पर ज्ञानेश पाठक विजयी घोषित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर विक्रम राव ने जीत दर्ज की।

उपाध्यक्ष पदों पर अमन अग्रवाल, जितेंद्र कुमार सिंह यादव और कृष्णा कुमार सिंह को सफलता मिली। संयुक्त सचिव पद पर राजू यादव, अर्चना गुप्ता के साथ दीपक अवस्थी और लखन लाल मिश्रा को बराबर मत मिलने के कारण संयुक्त रूप से विजयी घोषित किया गया। कार्यकारिणी में भी कई वरिष्ठ और सक्रिय पत्रकारों ने जीत दर्ज की, जिनमें सुरेंद्र कुमार दुबे और अनिल तिवारी को सर्वाधिक मत मिले।

गुटबाजी और आरोपों का दौर

इस चुनाव के दौरान पत्रकार संगठनों के भीतर चल रही गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई। इससे पहले भी यह संगठन दो धड़ों में बंट चुका vvvvvvअ, जहां एक पक्ष का नेतृत्व हेमंत तिवारी और दूसरे का प्रांशु मिश्रा कर चुके हैं।

इस बार भी आरोप लगाए गए कि दूसरे गुट ने प्रशासन को प्रभावित कर चुनाव को एनेक्सी में होने से रोका। संयोजक और अन्य पत्रकारों ने यह भी कहा कि कुछ अधिकारियों के निर्देश पर गेट बंद कराए गए, जिससे चुनाव को बाधित करने की कोशिश हुई। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

लोकतंत्र पर खड़े हुए बड़े सवाल

लखनऊ में पत्रकारों का यह चुनाव अब केवल एक संगठन का आंतरिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और प्रशासनिक हस्तक्षेप पर बहस का विषय बन गया है।

जब एक संगठित चुनाव प्रक्रिया को सड़क पर पूरा करना पड़े, तो यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है—क्या यह केवल गुटबाजी का परिणाम है या फिर प्रशासनिक निर्णयों की वजह से उत्पन्न हालात?

फिलहाल, चुनाव संपन्न हो चुका है और परिणाम भी सामने आ गए हैं, लेकिन यह विवाद आने वाले दिनों में और गहराने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रशासन पर उठे सवाल

पूरे घटनाक्रम के दौरान प्रशासन की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे। पत्रकारों का आरोप है कि जब नामांकन और अन्य प्रक्रियाएं एनेक्सी के भीतर कराई जा सकती थीं, तो मतदान के समय ही गेट बंद करने का निर्णय क्यों लिया गया।

संयोजक प्रभात त्रिपाठी ने साफ कहा कि सड़क पर हुए मतदान की जिम्मेदारी प्रशासन की है और इस मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेकर स्थिति स्पष्ट करे।

यातायात प्रभावित

करीब छह घंटे तक सड़क पर चले इस चुनाव के दौरान यातायात प्रभावित रहा, लेकिन इसके बावजूद मतदान शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ। पत्रकारों ने अनुशासन बनाए रखते हुए मतदान किया और किसी प्रकार की अव्यवस्था की खबर नहीं आई।

अब आगे क्या?

यह चुनाव अब सिर्फ एक संगठन का आंतरिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक पारदर्शिता, लोकतांत्रिक अधिकार और पत्रकार एकता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बन चुका है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि सड़क पर संपन्न हो चुका यह चुनाव कितना वैध माना जाएगा और क्या सरकार इस पूरे घटनाक्रम की जांच कराएगी।

फास्ट न्यूज

'ग्राहकों के बिल में लगाया एलपीजी चार्ज तो होगी कार्रवाई'

नई दिल्ली। होटलों और रेस्तरां में खाने के बिल पर मनमाने ढंग से एलपीजी शुल्क या गैस सरचार्ज जोड़ने पर सख्ती हो गई है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने इसे अनुचित व्यवहार माना है और साफ कर दिया है कि इस तरह के अतिरिक्त शुल्क लेना तुरंत बंद किया जाए।

संकट अपील

सरकार बोली- देश में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। देश में किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल पंपों को सप्लाई करने वाले टर्मिनलों पर भी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दिल्ली में इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग के दौरान लोगों से डर और घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करने से बचने की अपील की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

एससी के फैसले पर सीजेआई के भाई को किया फोन

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बुधवार को एक याचिकाकर्ता के पिता को कड़ी फटकार लगाई। CJI के मुताबिक, व्यक्ति ने उनके सुनाए आदेश को लेकर उनके भाई को फोन किया था। CJI ने कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा- याचिकाकर्ता के पिता ने मेरे भाई को फोन करके पूछा कि CJI ने ऐसा आदेश कैसे दिया।

रामनवमी पर दो दिन का अवकाश अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित

योगी सरकार का श्रद्धालुओं के लिए बड़ा फैसला

निर्णय

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में रामनवमी की छुट्टी को लेकर योगी सरकार का बड़ा फैसला लिया है। अब 26 के साथ-साथ 27 को भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा। हालांकि, 27 की छुट्टी में बैंक बंद नहीं होंगे। इस अवकाश को नेगोशिएबुल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के अधीन नहीं रखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह फैसला प्रदेश भर के मंदिरों में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया है। लगातार दो दिन की छुट्टी से श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना और

■ अतिरिक्त अवकाश से यातायात को सुव्यवस्थित करने में मिलेगी मदद

दर्शन में सुविधा मिलेगी। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर रामनवमी के दौरान हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बार भी अयोध्या समेत प्रदेशभर के मंदिरों में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए अवकाश को एक दिन और बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोलकाता रेप-मर्डर विक्टिम की मां बीजेपी की कैंडिडेट

नई दिल्ली/ कोलकाता/ चेन्नई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी है, जिसमें 19 नाम शामिल हैं। इस सूची में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर केस की पीड़ित की मां को पानीहाटी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। इससे पहले पहली लिस्ट में 144 और दूसरी लिस्ट में 111 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मैनागुड़ी में एक रैली के दौरान भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल को खत्म करना चाहती है और राज्य को बिहार में मिलाने की योजना बना रही है। ममता ने दावा किया कि उन्होंने नॉर्थ बंगाल के बंटवारे की कोशिश को रोक दिया है और इस मुद्दे पर पहले ही आवाज उठा चुकी हैं।

ईरान युद्ध में मध्यस्थता के सवाल पर बोले विदेश मंत्री जयशंकर

'हम पाकिस्तान की तरह दलाल नहीं हो सकते'

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते हालात काफी गंभीर हो चुके हैं। दुनिया के अधिकांश देशों को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ ररहा है। इस वैश्विक संकट पर चर्चा के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। संसद भवन में हुई इस बैठक में पक्ष और विपक्ष के कई नेता शामिल हुए जबकि ममता बनर्जी की टीएमसी ने इस बैठक का बॉयकॉट कर अपना विरोध जताया है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में जब विदेश मंत्री एस जयशंकर से ईरान युद्ध में मध्यस्थता को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान की तरह दलाल नहीं हो सकते।

>> (शेष पेज 06 पर)

वहीं टीएमसी ने इस बैठक का बहिष्कार किया है। सर्वदलीय बैठक पर टीएमसी एमपी सौगत रॉय ने कहा, "पूरी लड़ाई बीजेपी से चल रही है, हम उनके साथ क्या मीटिंग करेंगे?

लोगों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

सुरक्षा के मामले में, सरकार ने ज़ोर दिया कि कोई घबराहट नहीं है, भारतीय दूतावास नागरिकों की सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं, और लोगों को निकालने की योजनाएं तैयार हैं,लोगों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है। श्रीलंका के पास पनडुब्बी गतिविधि की रिपोर्टों सहित सुरक्षा चिंताओं के बारे में, यह स्पष्ट किया गया कि अगर भारत को कोई खतरा होता, तो उसे निर्णायक रूप से संभाला जाता। AIMIM नेता असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई से जुड़े मुद्दे भी उठाए, सरकार ने कहा कि जैसे ही चैनल फिर से खुले, डिप्लोमैटिक संपर्क शुरू किया गया। कुल मिलाकर, मीटिंग का बड़ा संदेश साफ़ था कि संघर्ष जारी रहने को लेकर अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत हर स्तर पर तैयार है, अपने लोगों को प्राथमिकता दे रहा है, और कोऑर्डिनेटेड डिप्लोमैटिक, स्ट्रेटेजिक और आर्थिक प्रयासों के ज़रिए स्थिति से निपटने का भरोसा रखता है।

सुनवाई : बटुकों से यौन शोषण केस में हाईकोर्ट का फैसला, इंटरव्यू देने पर रोक लगाई

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। यह फैसला हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने दोपहर बाद 3.45 बजे सुनाया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक है। इसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो दूसरा पक्ष जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है।

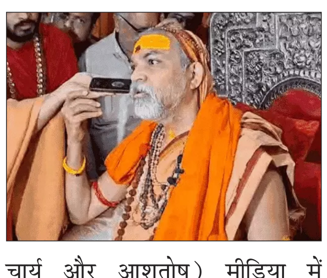

शंकराचार्य बोले- ऐसे फैसलों से हिम्मत बढ़ती है स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- कभी-कभी ऐसा लगता है कि कानून एक जाल है। कुछ लोगों ने उसको पकड़ रखा है। जब चाहे किसी को फंसा दें। इस तरह के फैसले कभी कभी जब आते हैं, तो लोगों को हिम्मत बंधती है। ऐसा नहीं है कि जो लोग इसे जाल के रूप में इस्तेमाल करते हैं, वो हमेशा सफल नहीं रहते। ऐसे लोगों के मन में न्याय और न्याय की प्रक्रिया के प्रति आस्था होती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

यह फैसला सुनाने के दौरान शंकराचार्य के वकीलों ने कहा- योर ऑनर इस पर भी कहें कि कोई बच्चों को लेकर घूमने लगता है, कोई यात्रा के दौरान बयानबाजी करता है। इसे भी रोका जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसका उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

27 फरवरी को रिजर्व हुआ था फैसला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न केस में 27 फरवरी को शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। तब जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा था कि फैसला आने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। शंकराचार्य पुलिस की जांच में सहयोग करेंगे। कोर्ट में शंकराचार्य का पक्ष वकील पीएन मिश्रा ने रखा था, जबकि राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल पेश हुए थे। शिकायकर्ता आशुतोष महाराज की वकील रीना सिंह ने भी दलीलें रखी थीं। शंकराचार्य ने बटुकों के यौन उत्पीड़न मामले में 24 फरवरी को अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई थी। दरअसल, तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 8 फरवरी को जिला कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। >> (शेष पेज 06 पर)

ईरान ने पाकिस्तानी जहाज को होर्मुज पार करने से रोका कहा- उनके पास परमिशन नहीं

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने पाकिस्तान के कराची जा रहे एक जहाज को होर्मुज स्ट्रेट पार करने से रोक दिया।

IRGC के नेवी कमांडर अलीरेजा तंगसीरी ने कहा कि 'सेलेन' नाम के इस जहाज के पास होर्मुज पार करने इजाजत नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरानी अधिकारियों से इजाजत लेनी होगी।

यह सारा मामला तब हुआ जब पाकिस्तान इस जंग में मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कल ही ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बात भी की थी।

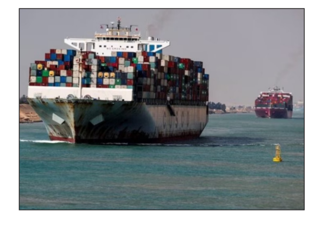

■ अब तक भारत के 5 जहाजों ने होर्मुज पार किया

वहीं, जंग की शुरूआत से अब तक भारत के 5 एलपीजी और तेल टैंकर होर्मुज से गुजर चुके हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के नामांकन पर विशेष फोकस, शिक्षा से जुड़ाव की मजबूत नींव

'बालवाटिका नवारंभ उत्सव' से नन्हें कदमों को मिली नई उड़ान

आयोजन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । योगी सरकार द्वारा प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल के रूप में 'बालवाटिका नवारंभ उत्सव' का प्रदेशभर के बालवाटिका (को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्र) युक्त विद्यालयों में भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम ने नन्हें बच्चों के शैक्षिक जीवन की सहज, आनंददायक एवं प्रेरक शुरुआत को सुनिश्चित किया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत विकासखंड सरोजनीनगर के ग्राम रामचौरा स्थित प्राथमिक विद्यालय से अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा तथा महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी द्वारा संयुक्त रूप से की गई। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला, जहां नन्हें बच्चों ने खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया को अपनाया। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि खेल आधारित शिक्षण, स्व-अधिगम एवं सक्रिय अधिगम की पद्धतियों के माध्यम से बच्चों के समग्र विकास,

प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त बनाने की अभिनव पहल

जिज्ञासा और रचनात्मकता को प्रारंभिक स्तर से ही सशक्त किया जा रहा है। 'सेल्फ लर्निंग' और 'एक्टिव लर्निंग' के जरिए बच्चों में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और रचनात्मक सोच का विकास हो रहा है। नवारंभ उत्सव का प्रमुख आकर्षण 'रेत पर लेखन' गतिविधि

सरकार की प्राथमिकता 3 वर्ष से 18 वर्ष तक प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना

अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण शिक्षण चरण होता है। 'नवारंभ उत्सव' का उद्देश्य प्रत्येक बालक-बालिका को प्रारंभिक अवस्था से ही विद्यालय से जोड़ना है, ताकि वे नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण करें और आगे की कक्षाओं में सहज रूप से प्रगति कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता 3 वर्ष से 18 वर्ष तक प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। बच्चों को विद्यालय की ओर आकर्षित करने के लिए रोचक एवं गतिविधि आधारित शिक्षण वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे बच्चे स्वयं विद्यालय आने के लिए प्रेरित हों।

रही, जिसमें 3 से 4 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने खेल-खेल में अक्षरों और अंकों का ज्ञान प्राप्त किया। इस नवाचारी पद्धति ने सीखने की प्रक्रिया को सरल, रोचक और

- योगी सरकार की पहल से प्रदेशभर में उत्साहपूर्ण आयोजन, रेत लेखन व खेल आधारित गतिविधियों से सीखना बना आनंददायक
- 'नवारंभ उत्सव' का उद्देश्य प्रत्येक बालक-बालिका को प्रारंभिक अवस्था से ही विद्यालय से जोड़नाः अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा
- खेल आधारित शिक्षण से बढ़ेगा आत्मविश्वास और रचनात्मकताः महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी

आनंदमय बना दिया, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित हुई। कार्यक्रम के दौरान 58 बच्चों को गिफ्ट हैंपर वितरित किए गए, जिनमें शैक्षिक सामग्री एवं उपयोगी वस्तुएं शामिल थीं।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने एससीईआरटी ऑफिस घेरा

बोले- भर्ती पूरी होने के बाद भी नहीं मिली नौकरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के निशातगंज में जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। SCERT (राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) आफिस घेरकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि भर्ती प्रक्रिया 5 साल में पूरी हो पाई। मेरिट लिस्ट जारी कर हमें स्कूलों के साथ शॉर्टलिस्ट कर दिया गया। उसके बाद भर्ती कोर्ट में चली गई।

हमने परीक्षा पास की, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराया, परिवारवालों को इसकी मिठाई भी खिला दी। अब नियुक्ति नहीं हो पा रही है। अब हमारा मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। अगर इस पर जल्दी ही फैसला नहीं आया तो हम सुसाइड कर लेंगे। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने 1894 पदों की भर्ती को 634 पद पर लाने का आरोप भी लगाया। अभ्यर्थियों के अनुसार, 1 जनवरी

- पहले 1894, फिर 1262 और अब 634 पद कर रहे

2021 को 1894 पदों पर भर्ती निकली जिसे बाद संशोधित 1262 पदों के लिए कर दिया गया। संबंधित भर्ती की 17 अक्टूबर 2021 को प्रदेशभर में परीक्षा कराई गई। इसमें लगभग 3 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें से 42 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी सफल हुए। 6 सितंबर 2022 को रिजल्ट आया, उसके बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हुआ। 1262 सहायक अध्यापक पदों और 253 प्रधानाध्यापक पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

फास्ट न्यूज

दोस्तों ने युवक की गला रेतकर हत्या की

लखनऊ । लखनऊ में युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसकी खून से लथपथ लाश सुनसान मैदान में पड़ी मिली। मौके से शराब और कोल्ड ड्रिंक की बोतलें भी मिली हैं। आशंका जताई जा रही है कि दोस्तों ने ही शराब के नशे में युवक की हत्या की है। पुलिस 2 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना चिनहट इलाके में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात हुई।

हर रोज 10 हजार सिलेंडरों की अतिरिक्त डिलीवरी

लखनऊ । लखनऊ में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर को लेकर मारामारी है। केंद्र सरकार की कमर्शियल सिलेंडरों पर कंडीशनल रोक, 25 दिन की बुकिंग व्यवस्था और अचानक बढ़ी मांग ने सप्लाई सिस्टम पर दबाव बढ़ा दिया है। 5 मार्च के बाद लागू हुए नए दिशा-निर्देशों ने राजधानी में गैस वितरण व्यवस्था को प्रभावित किया है। कमर्शियल सिलेंडरों के उपयोग और आवंटन पर सख्ती के चलते होटल, ढाबे और छोटे कारोबारियों की निर्भरता घरेलू सिलेंडरों पर बढ़ी, जिससे डिमांड में तेजी आई।

लखनऊ में इंटर की छात्रा से रेप

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना इलाके में इंटर की एक छात्रा से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। रश्मिखंड निवासी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अर्श रजा पर आरोप है कि उसने स्कूल के दौरान दोस्ती कर छात्रा को अपने जाल में फंसाया और उसकी अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए लंबे समय तक यौन शोषण करता रहा। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2023 में दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे।

स्व0 हरीश राणा के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन करने पहुंचे अजय राय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद निवासी हरीश राणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री अजय राय जी- पूर्व मंत्री आज उनके आवास पहुंचे जहां पर उन्होंने स्व0 हरीश राणा के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके माता-पिता तथा परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

ज्ञात हो कि हरीश राणा एक दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण पिछले एक दशक से अधिक समय से कोमा की स्थिति में थे और निरंतर असहनीय कष्ट झेल रहे थे। उनकी स्थिति को देखते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च 2026 को उनकी इच्छा मृत्यु की याचिका स्वीकार की थी, जिसके बाद उन्हें परोक्ष इच्छा मृत्यु के लिए 14 मार्च को दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में शिफ्ट कराया गया था, जिनका कल 24 मार्च 2026 को निधन हो गया।

इस दुखद अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मा0 श्री अजय राय जी ने कहा कि यह देश में पहला ममला है जिसमें न्यायालय द्वारा इच्छा मृत्यु की अर्जी को स्वीकार किया गया है। स्व0 हरीश राणा का लंबा संघर्ष अत्यंत पीड़ादायक रहा। उनके माता-पिता के त्याग और सेवा को शब्दों में बयां करना कठिन है, जिन्होंने इतने वर्षों तक साये की तरह अपने बेटे का साथ निभाया। उनके इस असीम धैर्य और ममता को मेरा शत-शत नमन।

भरोसा और सहयोग से सहकारिता कभी असफल नहीं होती : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री

भरोसा और सहयोग से सहकारिता कभी असफल नहीं होती : ए के शर्मा

- घोसी चीनी मिल को लेकर स्पष्ट संदेश- चीनी मिल का कोई बाल बांका नहीं कर सकता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने मऊ जनपद के नगर पालिका कम्युनिटी हॉल में आयोजित जिला सहकारी बैंक के चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने सहकारिता आंदोलन की महत्ता पर जोर देते हुए इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और

ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने आनंद (गुजरात) की बनास अमूल डेयरी का उदाहरण देते हुए कहा कि सहकारिता की ताकत से किस प्रकार एक क्षेत्र आर्थिक रूप से सशक्त बन सकता है।उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आनंद के जिलाधिकारी के रूप में उन्होंने सहकारिता की शक्ति को बहुत करीब से देखा है। यदि पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग की भावना के साथ कार्य किया जाए तो सहकारिता कभी असफल नहीं हो सकती। मंत्री श्री शर्मा ने कुछ लोगों द्वारा विकास कार्यों में बाधा डालने की कोशिशों पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि "कुछ लोग शांत पानी में पत्थर मारकर लहर पैदा करने की राजनीति करते हैं।" उन्होंने जनता से अपील की कि ऐसी नकारात्मक राजनीति का समर्थन न करें और विकास की मुख्यधारा के साथ जुड़ें।उन्होंने यह भी बताया कि मऊ

सहकारिता से समृद्धि का संकल्पः मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने मऊ में किया जिला सहकारी बैंक के अधिवेशन में प्रतिभाग

मऊ अब विकास की राह पर,शांत पानी में पत्थर मारकर लहर गिनने वालों/भटकाने वाली राजनीति से सतर्क रहने की अपीलःश्री ए के शर्मा

पूर्वांचल में बनेगी बनास डेयरी, किसानों-पशुपालकों को मिलेगा सीधा लाभ

अब विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसे कोई रोक नहीं सकता।

> कार्यक्रम में सहकारी बैंक के जिलाध्यक्ष श्री अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि सरकार के प्रयासों से प्रदेश के 50 जनपदों में संचालित सहकारी बैंकों में से 49 लाभ में हैं। मऊ का जिला सहकारी बैंक, जो पहले घाटे में था, अब सभी के सामूहिक प्रयास से लाभ में आ गया है और इस वित्तीय वर्ष में लगभग 50 लाख रुपये के लाभ की संभावना है। उन्होंने बताया कि जनपद में 75 हजार से अधिक सहकारिता सदस्य हैं और हर न्याय पंचायत स्तर पर समितियां सक्रिय हैं।

टी-सीरीज द्वारा मऊ महादेव पर शूटिंग के लिए किया गया अनुरोध क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।मंत्री श्री शर्मा ने

पूर्वांचल में भी बनास डेयरी स्थापित करने की दिशा में प्रयास जारी

मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि बनारस की तर्ज पर पूर्वांचल में भी बनास डेयरी स्थापित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं और शीघ्र ही इस क्षेत्र में एक नई डेयरी स्थापित की जाएगी, जिससे किसानों और पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। घोसी चीनी मिल का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि "घोसी चीनी मिल का कोई बाल बांका भी नहीं कर सकता।" उन्होंने बताया कि हाल ही में कैबिनेट बैठक में उन्होंने मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से इसके लिए फंड की मांग की थी, जिसके लिए उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया है। फंड मिलते ही चीनी मिल का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

आश्वासन दिया कि मऊ की सहकारी समितियों के सभी ब्रांच को सुदृढ़ किया जाएगा ।

गैस की किल्लत पर प्रेस वार्ता में आप मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे का थाली और सिलेंडर बजाकर अनोखा प्रदर्शन

गैस संकट आते ही डबल इंजन में लगा रिवर्स गियर : वंशराज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । गैस की बढ़ती किल्लत और आम जनता की परेशानियों को लेकर आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रेस वार्ता के दौरान अनोखे अंदाज में विरोध दर्ज कराया। उन्होंने थाली और खाली गैस सिलेंडर बजाकर केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और कहा कि जब कोरोना काल में थाली बजाने का संदेश दिया गया था, तो आज गैस संकट के समय भी उसी प्रतीक के जरिए सरकार को जगाने की जरूरत है। दुबे ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि उस दर्द और हताशा की आवाज है, जो आज हर उस परिवार में गूंज रही है जहां चूल्हा जलाना मुश्किल हो गया है।

वंशराज दुबे ने प्रेस वार्ता में केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए गैस संकट, मिड-डे मील ठप होने और जनता की बदहाल स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जिस तरह लोगों को थाली बजाने का संदेश दिया गया था, आज उसी तर्ज पर गैस संकट के बीच जनता को लाइन में खड़ा होने और खाली सिलेंडर बजाने की नौबत आ गई है, जो सरकार की विफलता का स्पष्ट

यह इंजन अब रिवर्स गियर में चला गया

दुबे ने कहा कि भाजपा सरकार ने "डबल इंजन" के नाम पर जनता को सिर्फ भ्रम में रखा है, जबकि सच्चाई यह है कि यह इंजन अब रिवर्स गियर में चला गया है। उन्होंने उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए कहा कि करोड़ों रुपये प्रचार में खर्च कर दिए गए, लेकिन आज वही गरीब महिलाएं गैस सिलेंडर के लिए दर-दर भटक रही हैं और चूल्हा जलाने के लिए कोयला, कंडा और डीजल तक का सहारा लेना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि कोयले की कीमत 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है।

प्रमाण है। वंशराज दुबे ने धार्मिक मंचों से दिए जा रहे धर्म गुरुओं के बयानों पर

लखनऊ में गैस संकट और मिड-डे मील ठप होने पर आप मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

"22 हजार गरीब बच्चों का मिड-डे मील ठप, क्या यही है डबल इंजन सरकार का रामराज?" : वंशराज

"ईरान से रिश्ते बिगाड़कर मोदी जी ने देश को संकट में डाला, अब जनता भुगत रही है नतीजा" : वंशराज दुबे

"भाजपा इवेंट मैनेजमेंट में नंबर वन, मैनेजमेंट में जीरो : वंशराज

"प्रधानमंत्री बताएं, देश को इस संकट से निकालने की रणनीति क्या है?" : वंशराज दुबे

भी सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ धर्मगुरु गैस संकट को सामान्य बताकर चूल्हे की रोटी की वकालत कर रहे हैं, जो जनता के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि जब उज्ज्वला योजना लाई गई थी तब यही धर्मगुरु लोग इसे मास्टर स्ट्रोक बता रहे थे, लेकिन आज सच्चाई सामने आने पर चुप्पी साध ली गई है।

बच्चों का मिड-डे मील कई हफ्तों से बंद

वंशराज दुबे ने कहा कि आज देश और प्रदेश में हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि राजधानी लखनऊ के 300 से अधिक विद्यालयों में 22 हजार से ज्यादा बच्चों का मिड-डे मील कई हफ्तों से बंद है। उन्होंने कहा कि ये बच्चे गरीब परिवारों से आते हैं, भाजपा नेताओं के घरों से नहीं, इसलिए सरकार को इनकी चिंता नहीं है। स्थिति यह है कि शिक्षकों को अपने घरों से सिलेंडर लाकर स्कूलों में देना पड़ रहा है, जो प्रशासनिक दबाव और सरकार की नाकामी को उजागर करता है। उन्होंने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत की 60 प्रतिशत तेल आपूर्ति हार्मुज़ जलड-मरूमध्य से होती है, जो ईरान से जुड़ा हुआ है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका और इजराइल के दबाव में ईरान से रिश्ते खराब कर लिए, जिसका खामियाजा आज देश की जनता गैस संकट के रूप में भुगत रही है।

विशेष लोक अदालत में लम्बित ऋण वसूली से सम्बन्धित विवादों का होगा निस्तारण : जीवक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सिविल जज (सी०डि०) व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि विशेष लोक अदालत का आयोजन 25 अप्रेल,30 मई , 25 जुलाई व 31 अक्टूबर को होगा।उन्होंने बताया कि इस विशेष लोक अदालत में ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डी०आर०टी०) में लम्बित वादों के निस्तारण किया जायेगा।

सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डी०आर०टी०) के समक्ष लम्बित ऋण वसूली से सम्बन्धित विवादों के निस्तारण के

- विशेष लोक अदालत का आयोजन 25 अप्रेल, 30 मई, 25 जुलाई व 31 अक्टूबर को होगा आयोजन

लिए 25 अप्रेल,30 मई , 25 जुलाई व 31 अक्टूबर को होने वाली विशेष लोक अदालत में आकर शीघ्र, सुलभ व सक्षम न्याय पा सके है।

रिटायर्ड जेई से 1.17 करोड़ की ठगी

लखनऊ । साइबर जालसाजों ने बिजली विभाग से रिटायर्ड जेई से 1.17 करोड़ की ठगी कर ली। जालसाजों ने मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर उन्हें 73 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आरोपियों ने खुद को TRAI, CBI और अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताया और अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर करवा ली।

निर्देश : अधिनियम के लोगो डिजाइन, क्विज़ और रील प्रतियोगिता का आगाज़

युवाओं की रचनात्मकता को 'वीबी-जीराम जी' अधिनियम से मिलेगी नई उड़ान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिये है कि रोचक, ज्ञानवर्धक व ग्रामीण किकास को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने की दिशा मे आयोजित की जा रही वीबी - जी राम जी अधिनियम के LOGO डिजाइन, Quiz और Reel प्रतियोगिता मे अधिक से अधिक युवाओं और नागरिकों को प्रतिभाग कराने के हर सम्भव प्रयास किये जांय, इसकी अन्तिम तिथि बढ़ा दी गयी है ताकि अधिक से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि युवाओं व युवतियों के लिए यह सुनहरा अवसर है

रचनात्मकता और जनभागीदारी

को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित तीन प्रमुख राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अतिरिक्त समय

दिया जा रहा है। युवक व युवतियाँ अपने गाँव, अपनी सोच और अपनी कला को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के अवसर का उपयोग करें। अभी पंजीकरण करें और अपनी प्रतिभा को देशव्यापी पहचान दें। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत ग्रामीण विकास और नवाचार को नई दिशा देने के लिए तीन बड़ी प्रतियोगिताओं की घोषणा की गयी है।

प्रतियोगिता में शामिल होने की अंतिम तिथियां बढ़ाई गयीं

इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं की कला, ज्ञान और डिजिटल कौशल के माध्यम से ग्रामीण भारत की एक नई पहचान संवारना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत लोगो 'डिजाइन, क्विज़ और रील मेकिंग प्रतियोगिताओं' का आयोजन किया जा रहा है। ये प्रतियोगिताएं न केवल युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करेंगी, बल्कि उन्हें ग्रामीण संस्कृति और आत्मनिर्भरता के विजन से भी परिचित कराएंगी, साथ ही साथ वीबी- जी राम जी अधिनियम के बारे मे आम लोगो को अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त होगीऔर कतिपय भ्रान्तियां भी दूर होंगी।

प्रतियोगिताओं का विवरण और पुरस्कार

लोगो डिजाइन प्रतियोगिताः ग्राफिक डिजाइनरों और चित्रकारों के लिए यह एक सुनहरा मौका है। प्रतिभागियों को एक ऐसा प्रभावशाली लोगो तैयार करना है,जो योजना के विजन को प्रदर्शित करे। विजेता को रू 50,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च2026 के स्थान पर अब 4 अप्रैल 2026(शाम 5:45 बजे तक) कर दी गयी है। 'माय विलेज' रील/वीडियो प्रतियोगिताः सोशल मीडिया के प्रभाव को देखते हुए 15 से 29 वर्ष के युवाओं के लिए रील मेकिंग प्रतियोगिता शुरू की गई है। इसमें प्रतिभागी 30-60 सेकंड के वीडियो के माध्यम से अपने गांव की खूबसूरती और विकास की कहानियों को साझा कर सकेंगे। इसकी अन्तिम तिथि बढ़ाकर 05 अप्रैल 2026 कर दी गयी है।

> विजेताओं को डिजिटल प्रमाणपत्र और केंद्रीय मंत्रियों से मिलने का अवसर मिलेगा।विकसित भारत- जी राम जी क्विज प्रतियोगिता की अंतिम तिथि बढ़ाकर 07 अप्रैल 2026 कर दी गयी है।

नवनिर्माण के 9 वर्षों में यूपी बना सुशासन सुरक्षा और विकास का मॉडल : मंत्री योगेंद्र

कानून व्यवस्था से लेकर शिक्षा और निवेश तक हर क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन

- कानपुर नगर में 1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण, अधोसंरचना और सेवाओं में ऐतिहासिक विस्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर नगर / लखनऊ । प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं प्रभारी मंत्री कानपुर नगर योगेंद्र उपाध्याय ने कलेक्ट्रेट, कानपुर नगर के नवीन सभागार में 'उत्तर प्रदेश नवनिर्माण के 9 वर्ष' पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि प्रदेश नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते 9 वर्षों में सुशासन, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास का नया मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि यह कालखंड प्रदेश के लिए "उत्कर्ष के

वर्ष" सिद्ध हुआ है, जिसमें गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव आया है। मंत्री उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश में लागू 'शून्य सहनशीलता नीति' के परिणामस्वरूप कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। वर्ष 2017 की तुलना में डकैती, लूट, हत्या एवं अपहरण जैसे अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। संगठित अपराध और माफिया तंत्र पर कठोर कार्रवाई करते हुए अवैध संपत्तियों की जब्ती और अपराधियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की गई है, जिससे प्रदेश में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ किया गया है। साइबर अपराध थानों की स्थापना, विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं का विस्तार तथा बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती से व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाया गया है। महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति, हेल्पलाइन सेवाएं एवं महिला बीट पुलिसिंग जैसे कदमों से महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिला है। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र बन चुका है। प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं।

अम्बेडकरनगर में डीएम बोले-पैनिक खरीद से बचें, अफवाहों पर न दें ध्यान

पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता

अपील

- तेल कंपनियों से लगातार समन्वय
- किसानों के लिए विशेष व्यवस्था
- अफवाहों से दूर रहने की अपील

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने यह जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में कहीं भी ईंधन की कमी नहीं है और सभी पेट्रोल पंप सुचारु रूप से संचालित हो रहे हैं।

कृषि कार्यों को ध्यान में रखते हुए किसानों को प्राथमिकता देने की व्यवस्था की गई है। सभी पेट्रोल पंपों पर राजस्व और पुलिस विभाग के कर्मियों की तैनाती की जा रही है। यह टीम ईंधन लेने वालों का सत्यापन करेगी, ताकि जरूरतमंदों को प्राथमिकता मिल सके। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक खरीद से बचें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है। इसी तरह डीजल की औसत खपत 607 किलोलीटर के मुकाबले 1308 किलोलीटर स्टॉक मौजूद है।

एलपीजी आपूर्ति भी सामान्य

एलपीजी गैस की उपलब्धता भी सामान्य बनी हुई है। इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

कालाबाजारी पर सख्ती की चेतावनी

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह की कालाबाजारी या अवैध भंडारण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं।

> प्रशासन द्वारा ऑयल कंपनियों के साथ समन्वय बनाए रखा जा रहा है। क्रेडिट पॉलिसी के तहत अग्रिम भुगतान के बाद पेट्रोल पंपों को नियमित आपूर्ति मिल रही है। इससे ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनी हुई है।

166 पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति जारी

जिलाधिकारी के अनुसार जनपद में कुल 166 रिटेल आउटलेट सक्रिय हैं। सभी पंपों पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल की औसत दैनिक खपत 369 किलोलीटर है, जबकि वर्तमान में 850 किलोलीटर उपलब्ध है।

इससे स्पष्ट है कि मांग के सापेक्ष पर्याप्त से अधिक ईंधन उपलब्ध है।

पांच गैंगस्टरों की संपत्ति कुर्क जिला प्रशासन ने आदेश जारी किया

अपराध से अर्जित संपत्ति राज्य सरकार में दर्ज कर नीलामी की जाएगी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मृतक माफिया खान मुबारक समेत पांच गैंगस्टरों की अपराध से अर्जित संपत्ति कुर्क करने के आदेश जिला मजिस्ट्रेट अनुपम शुक्ल ने दिए हैं। इन आदेशों के तहत उप जिला मजिस्ट्रेट टांडा और तहसीलदार अकबरपुर को संपत्ति की नीलामी प्रक्रिया को एक माह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। हंसवर के हरसंहार गांव निवासी खान मुबारक के खिलाफ पुलिस ने वर्ष 2019 में गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया था। उसने रामपुर बेनीपुर में दबंगई कर पट्टाशुदा एक बिस्वा भूमि पर कब्जा किया और अपराध से अर्जित धनराशि से मकान बनवाकर अपने सहयोगी को सौंपा। उक्त मकान से किराया वसूला जाता था। यह संपत्ति लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की है। मृतक ने संपत्ति को बचाने के लिए रिश्तेदारों व परिचितों के नाम भी दर्ज कराई थी। न्यायालय ने कुर्की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार में नीलामी का आदेश दिया।

अयोध्या जिले के गोशाईगंज थाना क्षेत्र के ताज मोहम्मद के बैंक खाते में अपराध से अर्जित 2.57 लाख रुपये पाए गए, जिन्हें तीन माह के भीतर सीज कर नीलामी करने का निर्देश दिया गया। ताजपुर गांव निवासी राजकुमार उर्फ राजे वर्मा ने अपराध से अर्जित धनराशि से पैतृक भूमि पर मकान, पशुशाला और नलकूप बनवाए थे। इसकी कीमत लगभग नौ लाख आंकी गई है। तहसीलदार अकबरपुर को इसे कुर्क करने का आदेश दिया गया। मांझा कम्हरिया गांव के अच्छेलाल निषाद ने अवैध शराब निर्माण और अन्य अपराधों से अर्जित धनराशि से फ्रिज, कूलर सहित अन्य सामान खरीदा। असंदा पांडेय पैकोली गांव के इबरार उर्फ गुड्डू ने अपराध से अर्जित धनराशि से मकान बनवाया, जिसकी भूमि अपनी पत्नी के नाम दर्ज थी। इसे भी कुर्क किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अपराध से अर्जित संपत्ति को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को न केवल कुर्की बल्कि नीलामी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

अनिल सिंह ने बागपत में सीडीओ का कार्यभार संभाला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पूर्व परियोजना निदेशक अनिल सिंह ने बुधवार को बागपत में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) का कार्यभार ग्रहण कर लिया। अम्बेडकरनगर में तैनाती के दौरान अनिल सिंह ने विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीण विकास, मनरेगा और अन्य सरकारी योजनाओं की निगरानी को लेकर उनका कार्यकाल चर्चा में रहा।योजनाओं के समयबद्ध संचालन और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया गया। परियोजना निदेशक के रूप में उन्होंने विभागीय समन्वय को मजबूत किया। अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ नियमित बैठकें कर योजनाओं की समीक्षा की जाती थी। इससे कई योजनाओं में प्रगति दर्ज की गई। स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता बनाए रखने के प्रयास भी किए गए। मंगलवार को विकास भवन में आयोजित विदाई कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके कार्यों की सराहना की। इस दौरान उनके कार्यकाल के अनुभव साझा किए गए। कर्मचारियों ने कहा कि उनके नेतृत्व में कार्य करने का अनुभव सकारात्मक रहा। बुधवार को बागपत पहुंचकर अनिल सिंह ने सीडीओ का कार्यभार ग्रहण किया। नई तैनाती पर प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालते हुए उन्होंने विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

- अम्बेडकरनगर में परियोजना निदेशक के रूप में कार्यकाल को मिली सराहना

रैली ने शहर के प्रमुख मार्गों पर उत्साह और जोश का माहौल बना दिया

विवेक मौर्य के नेतृत्व में निकाली बाइक रैली

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती के अवसर पर बुधवार को शहर में भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व भाजपा नेता और नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य ने किया। जिले के कोने-कोने से आए 2500 से अधिक मोटरसाइकिल सवार युवाओं ने जलालपुर रोड से कलेक्ट्रेट तक शांतिपूर्ण तरीके से रैली निकालकर सम्राट अशोक के विचार और उनके आदर्श समाज के हर वर्ग तक पहुंचाए। हाथों में झंडे और बाइकों के काफिले के साथ निकली रैली ने शहर के प्रमुख मार्गों पर उत्साह और जोश का माहौल बना दिया। रैली के दौरान शहर में कुछ स्थानों पर हल्का जाम भी लगा, लेकिन युवा अनुशासन के साथ सभी मार्गों पर प्रदर्शन करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे। रैली में शामिल सभी युवा अनुशासन और जोश के साथ शहर के विभिन्न मार्गों पर पहुंचे। इस आयोजन ने न केवल सम्राट अशोक के विचारों का संदेश फैलाया बल्कि युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय चेतना को भी मजबूत किया। 2500 से अधिक बाइक सवारों के इस अभूतपूर्व कार्यक्रम ने शहर में उत्साह और अनुशासन का उदाहरण पेश किया और सम्राट अशोक के समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को नए उत्साह के साथ जनता तक पहुंचाया।

बाइक रैली के बाद कलेक्ट्रेट स्थित डॉ. आंबेडकर, पटेल नगर स्थित सरदार पटेल और तहसील तिराहे पर स्थापित अशोक स्तंभ पर सर्वसमाज द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर सभी ने सम्राट अशोक के समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को दोहराया।

विवेक मौर्य ने किया विचार साझा

मीडिया से बात करते हुए विवेक मौर्य ने कहा कि सम्राट अशोक ने समाज में समान अवसर सुनिश्चित करने, ऊंच-नीच और छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि रैली का उद्देश्य सम्राट अशोक के आदर्शों और उनके सामाजिक संदेश को युवाओं तक पहुंचाना था। उन्होंने सभी युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय सहभागिता रैली को सफल बनाने में अहम रही।

आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत निस्तारण में प्रदेश में पहला स्थान

अंबेडकरनगर पुलिस बनी नंबर 1

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अंबेडकरनगर पुलिस ने फरवरी माह में शिकायत निस्तारण के मामले में प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश सरकार के IGRS पोर्टल पर मिली सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। इसके चलते जनपद को 125 में से पूरे 125 अंक मिले।

पुलिस प्रशासन ने शिकायतों को तय समय सीमा में निपटाने पर विशेष ध्यान दिया। हर शिकायत की समीक्षा की गई और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी गई। अधिकारियों के मार्गदर्शन में कमियों को पहचानकर तुरंत सुधार किया गया। IGRS पोर्टल पर मिल रही शिकायतों की समीक्षा नियमित रूप से की गई। प्रभारी IGRS शिवांगी त्रिपाठी ने टीम के साथ मिलकर निस्तारण प्रक्रिया को मजबूत किया। इससे शिकायतों के समाधान में तेजी और पारदर्शिता आई। इस उपलब्धि में IGRS सेल और थानों में तैनात पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही। सभी कर्मियों को बेहतर काम के लिए प्रोत्साहित किया गया। टीम ने समन्वय के साथ काम करते हुए हर शिकायत का प्रभावी समाधान किया। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर और अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेन्द्र कुमार ने IGRS से जुड़े सभी कर्मियों की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि आगे भी इसी तरह काम जारी रहेगा।

पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता रहेगा।

देव इंद्रावती महाविद्यालय में एनएसएस शिविर के छठे दिन आयोजन

अम्बेडकरनगर । कटेहरी ब्लॉक स्थित देव इंद्रावती महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का छठा दिन मंगलवार को विविध गतिविधियों के साथ संपन्न हुआ। जनजागरूकता अभियान में भाग लिया स्वयंसेवकों नेप्रथम सत्र में स्वयंसेवकों ने नीनामपुर डिहवा, कटेहरी और अंकारीपुर गांवों में लक्ष्य गीत प्रस्तुत करते हुए ग्रामीणों को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, एलपीजी गैस और डीजल से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने अफवाहों से दूर रहने और वैकल्पिक साधनों के उपयोग पर जोर दिया। द्वितीय सत्र में आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम में विधायक धर्मराज निषाद ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाती है। अज्ञानता, कुरीतियों और अंधविश्वास को समाप्त करने में शिक्षा ही सबसे प्रभावी माध्यम है।

सुबह घर से निकले युवक की संदिग्ध हालात में मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

शौच के लिए गए युवक का शव तालाब में मिला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिले के जहांगीरगंज क्षेत्र में एक युवक का शव तालाब में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक सुबह शौच के लिए घर से निकला था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। बाद में उसका शव गांव के पास स्थित तालाब से बरामद किया गया।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला तालाब में डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। विनोद के परिवार में पत्नी सुषमा और तीन वर्ष की बेटी प्रियांशी हैं। घटना के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पैर फिसलने से डूबने की आशंका

स्थानीय लोगों के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि विनोद का पैर फिसल गया होगा, जिससे वह गहरे तालाब में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। तालाब गहरा होने के कारण बाहर निकलना संभव नहीं हो सका। हालांकि, युवक उस स्थान पर कैसे पहुंचे और किन परिस्थितियों में तालाब में गिरे, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

> भौरा गांव निवासी 32 वर्षीय विनोद बुधवार सुबह घर से शौच के लिए निकले थे। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं आए तो परिवार के लोगों को चिंता हुई। इसके बाद स्वजन और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन काफी देर तक उनका कोई पता नहीं चला।

तालाब में दिखाई पड़ा पैर, बाहर निकाला गया शव

तलाश के दौरान घर से करीब 600 मीटर दूर एक गहरे तालाब में पानी के भीतर मानव पैर दिखाई पड़ा। यह देखकर ग्रामीणों ने तत्काल लोगों को बुलाया और शव को बाहर निकाला। बाहर निकालने पर शव की पहचान विनोद के रूप में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में भीड़ जुट गई और परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए।

भूसा दान महादान अभियान को गति देने की अपील

अम्बेडकरनगर में 39 गो-आश्रय स्थलों पर 5299 गोवंश संरक्षित

- प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दान की गई सामग्री और धनराशि का उपयोग केवल निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण में किया जाएगा।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । निराश्रित गोवंश संरक्षण को लेकर प्रशासन ने जनसहभागिता बढ़ाने की पहल तेज कर दी है। जिले में संचालित 39 गो-आश्रय स्थलों पर इस समय 5299 निराश्रित गोवंश संरक्षित हैं। इनके भरण-पोषण के लिए शासन द्वारा तय मानकों के अनुसार व्यवस्था की जा रही है।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने जिले के लोगों से "भूसा दान महादान" अभियान में भागीदारी बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गेहूं की फसल के बाद भूसे की उपलब्धता अधिक रहती है। ऐसे में लोग आगे आकर गो-आश्रय स्थलों पर भूसा, हरा चारा और पशु आहार दान करें। प्रशासन का मानना है कि जनसहयोग से गोवंश के रख-रखाव को और बेहतर बनाया जा सकता है। इसके लिए पशुपालकों, किसानों और आम नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। यदि किसी के पास भूसा या चारा उपलब्ध नहीं है, तो वे आर्थिक सहयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए गो संरक्षण एवं संवर्धन कोष में ऑनलाइन या बैंक के माध्यम से धन जमा करने की सुविधा दी गई है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने पशुपालकों और किसानों से विशेष रूप से इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। उनका कहना है कि सामूहिक प्रयास से ही गोवंश संरक्षण को मजबूत किया जा सकता है।

विश्व टीबी दिवस पर जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में विश्व टीबी दिवस के अवसर पर मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन टीबी एवं चेस्ट विभाग और सामुदायिक चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग और एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से क्षय रोग (टीबी) के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी गई।सरल और रोचक प्रस्तुति के जरिए लोगों को बीमारी के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इसे सराहा।छात्र-छात्राओं के बीच चार्ट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें टीबी से संबंधित विषयों पर जानकारी को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही।

- मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में नुक्कड़ नाटक और प्रतियोगिताएं आयोजित

चिकित्सा अधीक्षक सभागार में टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। इसका उद्देश्य उपचार के साथ मरीजों की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।डॉक्टरों ने बताया कि नियमित दवा के साथ सही पोषण टीबी मरीजों के लिए जरूरी है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच और नियमित दवा से इसे ठीक किया जा सकता है।

परेशानी : पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद पंपों पर लंबी कतारें, ग्रामीण इलाकों में हालात ज्यादा कठिन

अंबेडकरनगर में पेट्रोल डीजल के लिए उमड़ी भीड़

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद जिले भर में पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग ईंधन लेने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, जिससे आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

पेट्रोल पंपों पर भीड़ के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लंबी लाइनों के चलते कई लोग समय पर अपने काम पर नहीं पहुंच सके। ग्रामीण इलाकों से आए लोगों को भी अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। कुछ स्थानों पर लोगों ने बताया कि उन्हें कई बार लाइन में लगना पड़ रहा है या फिर वापस लौटना पड़ रहा है। इससे आम जनजीवन पर असर साफ दिखाई दे रहा है। ग्रामीण इलाकों में हालात और अधिक चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं।

प्रशासन की अपील, अनावश्यक स्टॉकिंग से बचें

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने प्रेस वार्ता कर बताया कि जिले में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घबराकर अनावश्यक रूप से ईंधन जमा न करें।

प्रशासन का कहना है कि अधिक खरीद और अफवाहों के कारण ही पंपों पर भीड़ बढ़ रही है, जिससे अन्य लोगों को परेशानी हो रही है।

पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद पंपों पर लंबी कतारें, ग्रामीण इलाकों में हालात ज्यादा कठिन

शहर के पंपों पर सुबह से लंबी लाइनें

शहर के टांडा मार्ग स्थित मेहरोत्रा पंप हाउस, जगमोहन फिलिंग स्टेशन, देवांश फिलिंग स्टेशन और अमन फिलिंग स्टेशन पर सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। बाइक, कार, ट्रैक्टर और जरीकेन लेकर लोग अपनी बारी का इंतजार करते रहे। भीड़ इतनी अधिक रही कि कई लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा। इससे दैनिक कामकाज प्रभावित हुआ और लोगों को अतिरिक्त समय खर्च करना पड़ा। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पंपों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

जिले के 166 पेट्रोल पंपों में से पांच पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं। इन पंपों पर पेट्रोल और डीजल दोनों ही उपलब्ध नहीं हैं।

अकबरपुर में बेखौफ चोरों का आतंक दो घरों में लाखों की चोरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अकबरपुर थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शेखपुरा इलाके में मंगलवार देर रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए, जबकि एक अन्य घर में घुसने की कोशिश भी की गई।

शेखपुर कटारिया याकूबपुर गांव में संदीप वर्मा और अरविंद वर्मा के घरों को चोरों ने निशाना बनाया। देर रात चोरों ने ताले तोड़े और घर के अंदर रखे बक्से व अलमारियां खंगाल डालीं। पीड़ितों के अनुसार, चोर करीब 3 लाख रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। वारदात के बाद परिवार के लोग स्तब्ध रह गए। सुबह जानकारी होने पर गांव में हड़कंप मच गया।

चोरों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पास के एक और घर में भी घुसने की कोशिश की। स्थानीय निवासी राम तिलक ने बताया कि रात करीब 12 बजे छत पर कूदने की आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। उन्होंने बताया कि चोर घर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जाग होने की आहट मिलते ही वे भाग निकले। इससे एक और बड़ी घटना टल गई। ग्रामीणों का दावा है कि भागते समय चोरों ने फायरिंग भी की। इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर का माहौल है। हालांकि पुलिस ने फायरिंग की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच की बात कही है।

- तीसरे घर में घुसने की कोशिश, फायरिंग की चर्चा से दहशत सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

सम्पादकीय

सराहनीय निर्णय, सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय वास्तव में मील का पत्थर और सराहनीय है कि यदि अनुसूचित जाति का कोई हिंदू, सिख या बौद्ध अन्य किसी पंथ को स्वीकार कर लेता है तो वह एससी का दर्जा खो देता है और साथ ही एससी-एसटी एक्ट के उपयोग का अधिकारी भी नहीं रह जाता। यह निर्णय आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के उस फैसले पर मुहर है, जिसमें उसने अनुसूचित जाति के हिंदू से ईसाई बने एक व्यक्ति को एससी-एसटी एक्ट का इस्तेमाल करने से इस आधार पर खारिज कर दिया था कि पंथ परिवर्तन के साथ ही वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो चुका है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि यह मतांतरित व्यक्ति पादरी के रूप में सक्रिय था, फिर भी एससी-एसटी एक्ट का इस्तेमाल करना चाह रहा था। देश में एससी समाज के न जाने कितने हिंदू, सिख या बौद्ध हैं, जिन्होंने समय के साथ विभिन्न कारणों से ईसाइयत या इस्लाम को अपनाया। इन कारणों में एक बड़ा कारण लोभ-लालच और छल-छद्म है। यह किसी से छिपा नहीं कि ईसाई मिशनरियां और मुस्लिम दावा समूह गुपचुप रूप से हिंदू, सिख और बौद्ध समाज के निर्धन वंचित लोगों का छल-छद्म से मतांतरण कराते रहते हैं। उनके चंगुल में आम तौर एससी और एसटी समाज के लोग फंसते हैं। ऐसे सुनियोजित मतांतरण को रोकने के लिए कई राज्यों ने कानून भी बनाए हैं, लेकिन वे प्रभावी नहीं सिद्ध हो पा रहे हैं। इन्हें प्रभावी होना चाहिए, क्योंकि लालच और छल-कपट के सहारे कराया जाने वाला मतांतरण एक तरह का राष्ट्रांतरण है। एक ओर तो ईसाई और मुस्लिम समाज के पंथिक नेता डंके की चोट पर यह कहते हैं कि उनके यहां जाति जैसी कोई मान्यता नहीं और दूसरी ओर यह देखने में आ रहा है कि दलित ईसाई और दलित मुस्लिम जैसी अवधारणाएं अस्तित्व में आ गई हैं। कहीं-कहीं तो दलित ईसाइयों के संगठन भी बन गए हैं, जो इसकी पैरवी करते रहते हैं कि मतांतरित होने के बाद भी उन्हें एससी का दर्जा और उसके तहत मिलने वाली सुविधाएं और विशेष रूप से आरक्षण के लाभ प्राप्त हों।

देखना है कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद इस तरह की पैरवी बंद होती है या नहीं? जो भी हो, यह ठीक नहीं कि मतांतरण के जरिये सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने एवं संवैधानिक प्रविधानों और खासकर आरक्षण का बेजा लाभ उठाने की कोशिश की जाए। यह तो कतई अस्वीकार्य है कि अनुसूचित समाज का कोई हिंदू, सिख या बौद्ध मतांतरित होकर अल्पसंख्यकों को मिलने वाले लाभ भी अर्जित करे और एससी-एसटी के तहत प्राप्त होने वाली सुविधाएं भी ले।

इस दोहरे लाभ की चाह लालच से कराए जाने वाले मतांतरण को बल ही देती है। ऐसे में उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट ऐसी कोई व्यवस्था दे, जिससे जो सामाजिक और आर्थिक रूप से वास्तव में पिछड़ा या वंचित है, उसे ही आरक्षण का लाभ मिले।

गैस संकट से निपटने के हों ठोस उपाय

खाड़ी देशों में चल रहे तनाव का असर अब भारत की गैस सप्लाई पर भी दिखने लगा है। गैस संकट ने रसोई के बजट और ऊर्जा सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। चुनौती और संकट बड़ा है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20 फीसदी हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50 फीसदी कच्चा तेल और 54 फीसदी एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। भारत दुनिया में एलपीजी का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, जिसका उपयोग खाना पकाने के लिए किया जाता है। गैस-तेल संकट पर पीएम मोदी ने संसद में कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संवेदनशील भी है, सतर्क भी है और हर सहायता के लिए तत्पर भी है। लेकिन जमीनी हालात देखें तो ऐसा आभास होता है कि सरकार जो बता रही है, वो आधा सच है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि सिलेंडर की डिलीवरी में देरी हो रही है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि मोदी सरकार एक तरफ तो किसी तरह का संकट होने की बात से ही इनकार कर रही है, वहीं दूसरी ओर वे यह भी कह रहे हैं कि, जिस तरह भारत से कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए संकट से उबरा था, उसी तरह एलपीजी के संकट से भी उबर जाएगा।₹ सवाल है कि जब आप संकट मान ही नहीं रहे हैं तो फिर किस संकट से उबरने की बात कर रहे हैं?

रोहित माहेश्वरी

नवमीः रामतत्व की पूर्णता की तिथि

66 प्रभु श्रीराम के अयोध्यानरेश महाराज दशरथ के यहां अवतरण का वृहद वर्णन श्रीमद्भागवत महापुराण में भी मिलता है।संयोग से भागवत में भी श्रीरामजन्म का वर्णन भागवत नवम स्कंध में किया गया है।

भारतीय चिंतन परंपरा में संख्याएँ केवल गणना का उपकरण नहीं, बल्कि दार्शनिक संकेतों की संवाहिका होती हैं। इनमें एक अंक की सबसे बड़ी संख्या "नौ" (9) का स्थान अत्यंत विशिष्ट है— यह पूर्णता,परिपाक और अद्वैत ब्रह्म की अभिव्यक्ति का प्रतीक मानी गई है। जब हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म, उनके जीवनदर्शन तथा उनसे संबंधित वाङ्मय का अनुशीलन करते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि "9" का संयोग एक साधारण कालगणनात्मक तथ्य नहीं, बल्कि एक सुविचारित दार्शनिक संरचना है, जो विषय-वस्तु से लेकर ग्रंथ-विन्यास तक व्याप्त है।इस संबंध में रामजन्म और चैत्रशुक्ल नवमी की तिथि कोई सहज तिथि व संयोग नहीं अपितु साक्षात् धर्म का अपनी पूर्णता के साथ मनुष्य रूप में धरती पर प्राकट्य से है।

वस्तुतःरामजन्म और नवमी के संयोग को पूर्णता का प्राकट्य कहना अधिक श्रेयस्कर होगा।वाल्मीकि रामायण में वर्णित है कि श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ। यह "नवमी" केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उस क्षण का द्योतक है जब सृष्टि में धर्म अपनी पूर्णता के साथ अवतरित होता है।अंक-दर्शन की दृष्टि से 9 अंतिम एकल अंक है—जो किसी भी गुणन में स्वयं में ही अवस्थित रहता है—अर्थात् अविचल,अखंड और पूर्ण। श्रीराम का जन्म इसी "नवमी" को होना यह संकेत करता है कि वे पूर्ण ब्रह्म के मर्यादित, लोकानुकूल और आदर्श रूप हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष उसका स्कंध-विन्यास है। बारह स्कंधों में विभक्त इस महापुराण में श्रीराम की कथा को नवम स्कंध में स्थान दिया गया है। यह चयन आकस्मिक नहीं माना जा सकता। नवम स्कंध तक पहुँचते-पहुँचते भागवत की कथा—सृष्टि, वंश, धर्म और अवतारों की क्रमिक यात्रा—एक ऐसे बिंदु पर पहुँचती है जहाँ धर्म अपने परिपक्वतम स्वरूप में प्रतिष्ठित होता है। इस दृष्टि से श्रीराम का नवम स्कंध में स्थित होना यह सूचित करता है कि वे धर्म की परिपूर्ण अभिव्यक्ति हैं।

महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण की संरचना में भी नौ का सूक्ष्म संकेत साक्षात् ब्रह्म के अवतरण और पूर्णता की द्योतक है। वाल्मीकि रामायण में रामजन्म का प्रसंग यज्ञ, ऋतु-चक्र और काल-परिपक्वता के क्रम से जुड़ा हुआ है, जो अंततः नवमी पर पूर्ण होता है। यद्यपि रामायण के काण्ड सात हैं, तथापि उसके सर्ग-विन्यास, श्लोक-संरचना और कथानक-प्रवाह में "पूर्णता के चक्र" का जो स्वरूप दिखाई देता है, वह नौ(9) के दार्शनिक अर्थ की ओर संकेत करता है। परंपरा में 24000 श्लोकों की संख्या भी एक प्रकार से समग्रता का बोध कराती है, जिसे अंक-दर्शन की व्याख्याओं में "पूर्ण चक्र" से जोड़ा गया है। तुलसी कृत श्रीरामचरितमानस तो नौ का प्रत्यक्ष आध्यात्मिक रूप माना जाता है।रामचरितमानस में "नौ" का स्वरूप अत्यंत स्पष्ट और प्रत्यक्ष हो जाता है। रामजन्म नवमी को प्रभु का अवतरण होता है, और आगे चलकर श्रीराम स्वयं शबरी को नवधा भक्ति का उपदेश देते हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जन्म से लेकर उपदेश तक "9" एक सतत सूत्र के रूप में विद्यमान है। तुलसीदास के लिए "नौ" केवल अंक नहीं, बल्कि साधना का क्रम, भक्ति का मार्ग और ईश्वर-प्राप्ति का विज्ञान है।

नवरात्रि से रामनवमी तक का चक्र वास्तव में साधना की परिपूर्णता का चक्र माना जाता है।चैत्रशुक्ल नवमी की तिथि आदिशक्ति के नौ विग्रहों के अवतरण के साथ परम ब्रह्म के मनुष्यरूप में अवतरित होने का महापर्व है।जैसा कि श्रीरामचरित मानस में स्वयं श्री हरि ने कहा है कि - अन्सह सहित मनुज अवतारा।
लैहहुँ दिनकर बंस उदारा।।

इसी तरह आदिशक्ति के शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक नौ विग्रहों के धरा अवतरण को लेकर भी श्री हरि ने कहा है - आदिशक्ति जेहि जग उपजाया।
सोई अवतरिह मोर यह माया।।

इस तरह चैत्र नवरात्र आदिशक्ति और नारायण के धरती पर धर्म की स्थापना और विधर्मी लोगों के विनाश हेतु मनुष्य रूप में लीलाएं करने का महोत्सव है।भारतीय परंपरा में चैत्र नवरात्रि के नौ दिन साधना, शुद्धि और आत्मानुशासन के प्रतीक हैं, जिनका समापन रामनवमी पर होता है। यह क्रम यह स्पष्ट करता है कि जब साधक नौ स्तरों की आंतरिक शुद्धि से गुजरता है, तब वह "राम" के साक्षात्कार के योग्य बनता है। यहाँ "नौ" साधना का क्रम है और "राम" उसकी सिद्धि।

श्रीरामजन्म के संबंध में विषय से विन्यास तक नौ का व्यापक सूत्र और इसकी महिमा ही दृष्टिगोचर होती है।यदि हम समग्र दृष्टि से देखें तो रामजन्म की तिथि — नवमी,भागवत में रामावतार का वर्णन— नवम स्कंध,राम द्वारा शबरी को दी गई भक्ति — नवधा,शक्ति का महापर्व — नवरात्रि (आत्मशुद्धि) है।जिसकी संरचना ग्रंथ-विन्यास में पूर्णता का चक्र माना जाता है।ये सभी स्तर मिलकर यह सिद्ध करते हैं कि "नौ" केवल प्रसंग नहीं, बल्कि रामतत्त्व की अभिव्यक्ति का मूल सूत्र है।

सारसंक्षेप में 'नौ' को रामतत्त्व की पूर्णता कहना अधिक श्रेयस्कर होगा।अतः यह कहना समीचीन होगा कि श्रीराम और "9" का संबंध किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि भारतीय मनीषा की एक गहन दार्शनिक योजना है। "नौ" जहाँ पूर्णता का प्रतीक है, वहीं श्रीराम उस पूर्णता के साकार, सजीव और लोकानुकूल रूप हैं।इस प्रकार—जहाँ 'नौ' है, वहाँ पूर्णता है; और जहाँ पूर्णता है, वहाँ 'राम' हैं।यही इस समूचे वाङ्मय का सार है, और यही भारतीय संस्कृति का शाश्वत संदेश भी।

-डॉ. उदयराज मिश्र
चिंतक एवं विचारक

जब किसी विशेष सामाजिक...

ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता

रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है।

रक्षा अनुसंधान...

रामस्वरूप रावतसरे

भारत फाइटर जेट्स में बनेगा आत्मनिर्भर - डीआरडीओ की पहल

भारत ने अब उस क्षेत्र में कदम रख दिया है जहाँ पहुँचना दुनिया के गिने-चुने देशों के लिए ही संभव हो पाया है और वो है जेट इंजन निर्माण। यह एक ऐसी तकनीक है जिसे रक्षा क्षेत्र का 'सबसे जटिल विज्ञान' माना जाता है और यही अब भारत के आत्मनिर्भर मिशन का नया केंद्र बनता जा रहा है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ के तहत काम करने वाली गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट (जीटीआरई) ने देश में 'नेशनल एयरो इंजन टेस्ट कॉम्प्लेक्स' स्थापित करने की दिशा में बड़ी पहल शुरू कर दी है। यह पहल सिर्फ एक इंफ्रा का प्रोजेक्ट नहीं है बल्कि भारत की सामरिक ताकत को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की तैयारी है।

जानकारी के अनुसार जेट इंजन तकनीक पर आज तक कुछ ही देशों का दबदबा रहा है। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ना रक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और निर्णायक बदलाव का संकेत माना जा रहा है। यह कदम न सिर्फ भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को मजबूत करेगा बल्कि भविष्य में स्वदेशी लड़ाकू विमानों के विकास को भी नई गति देगा।

जेट इंजन बनाना किसी भी देश के लिए टेक्निकल सुप्रीमेसी की सबसे बड़ी कसौटी माना जाता है। यह सिर्फ एक मशीन नहीं बल्कि विज्ञान, इंजीनियरिंग और वर्षों के शोध का परिणाम होता है। यही कारण है कि दुनिया में केवल कुछ ही देश इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्षम हैं। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं। भारत लंबे समय से इस विशिष्ट समूह में शामिल होने की कोशिश कर रहा है लेकिन उन्नत टेस्टिंग सुविधाओं की कमी इस राह में सबसे बड़ी चुनौती रही है। अब तक भारत ने कई प्रयास किए हैं। इनमें सबसे प्रमुख रहा 'कावेरी इंजन कार्यक्रम' जिसे स्वदेशी जेट इंजन विकसित करने की दिशा में एक बड़ी पहल माना गया था। हालाँकि, यह परियोजना अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके पीछे कई तकनीकी चुनौतियाँ थीं लेकिन सबसे अहम कारण मजबूत और आधुनिक टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव ही था। जानकारों का कहना है कि प्रस्तावित नेशनल एयरो इंजन टेस्ट कॉम्प्लेक्स भारत के लिए एक बड़ा 'गेम चेंजर' साबित हो सकता है। आसान शब्दों में समझें तो यह एक ऐसी जगह होगी जहाँ जेट इंजन के हर छोटे-बड़े हिस्से जैसे फैन, कंप्रेसर, कंबस्टर, टर्बाइन और आफ्टरबर्नर की जाँच और परीक्षण एक ही परिसर में किया जा सकेगा। अभी तक इन हिस्सों को अलग-अलग जगहों पर टेस्ट करना पड़ता था जिससे समय भी ज्यादा लगता था और प्रक्रिया भी मुश्किल हो जाती थी। इस कॉम्प्लेक्स के बनने के बाद पूरी टेस्टिंग एक ही जगह पर आसानी से हो सकेगी। सबसे खास बात यह है कि यहाँ जमीन पर ही आसमान जैसी परिस्थितियाँ बनाई जा सकेंगी। यानी इंजीनियर लैब में ही 40,000 फीट की ऊँचाई, ठंडा तापमान और कम हवा के दबाव जैसी स्थितियों को तैयार कर पाएँगे।

जरा हटके

निवेश के क्षेत्र में ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

आखिर क्यों देश भर में निरंतर लोकप्रिय हो रहा है विकास का उत्तर प्रदेश मॉडल

समय की सजीव सरगम में जब विकास की धारा दिशाओं को द्रुत गति से बदलती है, तब कुछ प्रदेश ऐसे होते हैं जो परिवर्तन के प्रतीक बन जाते हैं। उत्तर प्रदेश आज उसी परिवर्तन, प्रगति और प्रबंधन का पर्याय बनकर उभर रहा है। कभी पिछड़ेपन, बेरोजगारी और अव्यवस्था के लिए चर्चा में रहने वाला यह प्रदेश अब विकास, निवेश और नवाचार का केंद्र बनता जा रहा है। प्रश्न यह है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि "उत्तर प्रदेश मॉडल" देश भर में चर्चा, आकर्षण और अनुकरण का विषय बन गया है। इसका उत्तर केवल राजनीतिक विमर्श में नहीं बल्कि प्रमाणिक आँकड़ों, नीतिगत निर्णयों और जमीनी बदलावों में छिपा हुआ है।

सबसे पहले यदि आर्थिक परिप्रेक्ष्य में इस परिवर्तन को समझें तो उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार किया है। राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार वर्ष 2016-17 में जहाँ सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 13.30 लाख करोड़ रुपये था, वहीं यह बढ़कर 2024-25 में 30.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया और 2025-26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान व्यक्त किया गया है, जो लगभग 10.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। यह वृद्धि केवल संख्यात्मक नहीं, बल्कि संरचनात्मक है क्योंकि इसमें उद्योग, सेवा और कृषि तीनों क्षेत्रों का संतुलित योगदान शामिल है। प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज

की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार यह आय 2016-17 के 54,564 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 1,09,844 रुपये हो गई है । यह दोगुनी वृद्धि इस बात का संकेत है कि विकास का लाभ केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक तक पहुँच रहा है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश का विकास मॉडल "समावेशी विकास" के रूप में भी देखा जा रहा है।

निवेश के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने जो छलांग लगाई है, वह इस मॉडल की लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश पाइपलाइन तैयार की गई है । हाल ही में आयोजित निवेश सम्मेलनों और उनके फॉलोअप कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा गया है, जैसा कि समकालीन समाचार रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है कि 7.5 लाख करोड़ रुपये की नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं और पूर्व सम्मेलनों के माध्यम से लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश को क्रियान्वित किया जा चुका है। यह निवेश केवल कागजों तक सीमित नहीं बल्कि औद्योगिक इकाइयों, रोजगार और उत्पादन में परिवर्तित होता दिखाई दे रहा है। औद्योगिक विकास की दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार राज्य में कारखानों की संख्या 30,000 से अधिक होने जा रही है और पिछले छह वर्षों में इसमें 800 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश अब केवल कृषि आधारित अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि औद्योगिक शक्ति के रूप में भी उभर रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र में 3,400 करोड़ रुपये के निवेश और हजारों रोजगार सृजन जैसी परियोजनाएँ इस परिवर्तन को और अधिक सुदृढ़ करती हैं।

कुछ बेमेल बातों का मेल

परस्पर अंतरंगता में प्रबल होते हैं हमारे भाव। शब्द होते हैं केवल मात्र उन भावों के वाहक। इसलिए कम शब्द ही हो जाते हैं हृदय के भावों के प्रभावी संवाहक। ध्यान दें, हमारी बातचीत में हम करते हैं प्रयोग जितने शब्दों का ,उनमें से अधिकांश होते हैं महज औपचारिकता। यथा बात-बात में 'थैंक यू' या 'सौरी'। इन शब्दों में भाव रहित शिष्टाचार की औपचारिकता ही होती है कोरी। जहाँ आंतरिक भाव नहीं ,वे शब्द सामने वाले को छू सकते हैं कहीं ? अतः बोलें चाहे कम, पर हो शब्दों में भावों का दम। साधारणतया हमारे शब्दों द्वारा संवाद होता है बुद्धि से ,न कि अंतः स्तल की शुद्धि से। एक और बात, संबंध होता है जितना अधिक आत्मीय उतना ही शब्द प्रयोग की जरूरत होती है कम। ऐसे में बोलने लगते हैं हमारे अंग-प्रत्यंग। उनकी भाषा में होता हैं हृदय एक-एक शब्द के संग। अतः प्रगाढ आत्मीयता में होती है केवल मौन की भाषा ही दमदार ,लिए कम शब्दों में अधिक सार। हम प्राय : जीवनचर्या में इसी भाषा का प्रयोग करते हैं, लेकिन इस शब्द की सार्थकता तब हैं ,जब हम हर परिस्थिति में सम रहें ,चाहें दुःख हो या सुख ,हम सुख में अति उत्साहित न हो और दुःख में अति निराश न हों, अतः हम सुखः-दुःख की जोड़ी में सम रहतें हुवें इस जिंदगानी को आनंदमय जीवन जीते हुवें, मजे में हैं ,बोलचाल की भाषा को सार्थक करें। अंग्रेजी का phrase है एक की Down To Earth. समझदार,व्यवहारिक, यथार्थवादी समझे जाते हैं इसके शाब्दिक अर्थ। पर अधिकांशतः बोल-चाल में प्रयुक्त होता है ,यह बहुत ही सज्जन, मृदुभाषी, सीधे और सरल व्यक्तित्व के लिए। आदरणीय होते हैं सबके ये लोग,क्योंकि वे एकदम निरहंकारी होते हैं।अति सेवाभावी, परोपकारी होते हैं।शाब्दिक विश्लेषण में जाएँ तो कहेंगे, उनकी तुलना उन घने पेड़ों से की जाती है ,जो जितने जड़ से ऊपर बढ़ते हैं उतनी ही उनकी जड़ नीचे गहरी जाती है। ऐस लोगों की भी जितनी सज्जनता, सरलता , व्यवहारिकता बढ़ती है ,उतनी ही बढ़ती है उनकी विनम्रता। कहने की मुझे आवश्यकता नहीं हैं ,समाज में बहुत आदरणीय होते हैं ये लोग।समाज में भूषण होते हैं ऐसे लोग और सबके लियें अनुकरणीय भी। हम बराबर सुनते हैं की जैसी भाषा वैसी परिभाषा। यानी शब्द बन जाते है मन की अभिलाषा।

> प्रदीप छाजेड़

पिता हाथ जोड़कर बोले- कोई रोना मत ■ अंगदान से 6 को नई जिंदगी मिलेगी

इच्छामृत्यु के बाद हरीश राणा का अंतिम संस्कार

मुखाग्नि

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली/गाजियाबाद । इच्छामृत्यु पाने वाले गाजियाबाद के हरीश राणा का अंतिम संस्कार हो गया। दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट में बुधवार सुबह 9.40 बजे छोटे भाई आशीष ने मुखाग्नि दी। इससे पहले, हरीश का पार्थिव शरीर श्मशान घाट लाया गया। पिता अशोक राणा (62) ने बेटे हरीश को आखिरी बार प्रणाम किया। पिता ने रोते हुए लोगों से हाथ जोड़कर कहा-कोई रोना मत। बेटा शांति से जाए, इसलिए प्रार्थना कर रहा हूं। बेटा अब जहां जन्म ले, उसे भगवान का आशीर्वाद मिले। 31 साल के हरीश ने कल यानी 24 मार्च को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली थी। वे 13 साल से कोमा में थे। डॉक्टर्स के मुताबिक परिवार ने हरीश के फेफड़े, दोनों किडनी और कॉर्निया दान किया है। इससे 6 लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है।

हरीश को एम्स में पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। हरीश राणा का अंतिम संस्कार हो गया है। भाई आशीष ने मुखाग्नि दी। इस दौरान पिता हाथ जोड़कर खड़े रहे।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा- हम परिवार को संबल देने के लिए आए हैं।

> सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। यह देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई थी। हरीश को 14 मार्च को गाजियाबाद वाले घर से दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया। 16 मार्च को हरीश की फीडिंग ट्यूब (खाने की नली) हटा दी थी।

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे, तब से बिस्तर पर थे

दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते थे और न ही महसूस कर सकते थे।

डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया था। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए थे। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही थी।

यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक थी। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया था। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर 13 साल में इतना खर्च हो चुका था कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका था।

हरीश के परिवार ने सबसे पहले 3 अप्रैल, 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इच्छामृत्यु की इजाजत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

> मोक्ष स्थल पर जहां हरीश राणा के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार होना है, वहां नीचे गुलाब के फूल बिछाए गए हैं। चिता पर उपले बिछाए जा चुके हैं। पंडित और परिवार क्रियाकर्म में जुटे हुए हैं। थोड़ी देर में शव चिता पर रखा जाएगा।

ब्रह्मकुमारी रूपा ने कहा- यह समय परिवार के लिए आसान नहीं

ब्रह्मकुमारी रूपा ने कहा- यह समय परिवार के लिए आसान नहीं है। ये परिवार हमसे 5-6 सालों से जुड़ा है। जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, तो उनके पिता ने हम लोगों से कहा कि हरीश से मिलिए। इसके बाद हम लोग उनके घर गए। बाद में उन्हें प्यार से संकल्प दिलाया कि हे आत्मा, सबको माफ करो। किसी भी जन्म में आपके द्वारा कोई बुरा काम हुआ हो, जिससे दूसरों को दुख पहुंचा हो, तो माफी मांगते हुए इस देह रूपी पिंजड़े को छोड़कर उड़ जाओ और एक सुंदर शरीर धारण करो।

फास्ट न्यूज़

मेरठ में चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी

मेरठ । मेरठ में चाइनीज मांझे से एक बाइक सवार युवक की गर्दन कट गई। खून से लथपथ युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसकी गर्दन पर 22 टांके लगाए हैं। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना मंगलवार रात हापुड़ रोड पर हुई। युवक बाइक से कुछ सामना लेने गया था। लौटते समय चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया।

पत्नी ने बच्चों के साथ मिलकर पति को मार डाला

गोरखपुर। गोरखपुर में पत्नी ने बच्चों के साथ मिलकर पति की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस पत्नी और एक बेटे को पकड़कर पूछताछ कर रही है। वहीं, दूसरा घटना के बाद भाग गया। महिला का कहना है- मेरा पति रोज शराब पीकर घर आता था। इसके बाद वह घर में सभी से गाली-गलौज करता था। मंगलवार की रात में पति शराब पीकर घर आया था। इसके बाद उसने मुझसे गाली-गलौज शुरू कर दी।

महिला ने कहा- पति मुझे मारने लगा। बेटों ने इसका विरोध किया तो उनको गालियां देने लगा।

मिलावटखोरों के खिलाफ छापेमारी

बाराबंकी। बाराबंकी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बुधवार को मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान चलाते हुए नवाबगंज तहसील की गल्ला मंडी और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान व्रत-फलाहार में उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों के 5 नमूने जांच के लिए लिए गए। एसडीएम सदर के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य-II) शैलेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने बाजार में पहुंचकर सघन निरीक्षण किया।

युवती के लापता होने पर अपहरण की आशंका

पिता ने थाने में दी तहरीर मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र से एक युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने युवक पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र एक गांव निवासी पुत्री के पिता ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि मेरी 20 वर्षीय पुत्री 23 मार्च 2026 को दोपहर करीब 12 बजे घर से सूरतगंज जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। काफी देर तक इंतजार करने के बाद परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारी में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। पीड़ित पिता का आरोप है कि अब उन्हें जानकारी मिली है कि उनकी पुत्री को पीलीभीत जनपद के थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम संडई निवासी सुनील कुमार पुत्र राजाराम बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में उनके ही गांव का एक व्यक्ति भी संलिप्तता है, जिसने युवती को भगाने में सहयोग किया है। पीड़ित ने पुलिस से मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए पुत्री को सकुशल बरामद करने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है तहरीर के अनुसार दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चशमदीद बोले- धमाका ऐसा, लगा बम फटा, अभी रेस्क्यू चल रहा

प्रयागराज कोल्ड स्टोरेज हादसे में मालिक समेत तीन गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज हादसे में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें कोल्ड स्टोरेज का मालिक अंसार अहमद, उसका बेटा मंजर और भतीजा अलाउद्दीन हैं। तीनों को फाफामऊ के मलाक हरहर स्थित भदरी रेलवे ओवर ब्रिज के पास से पकड़ा गया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक फॉर्च्यूनर और कोल्ड स्टोरेज से जुड़े दस्तावेज बरामद किए। वहीं, 30 से ज्यादा घंटे बीत जाने के बाद दूसरे दिन मंगलवार को भी रेस्क्यू जारी है। मलबे को जेसीबी-बुलडोजर से हटाया जा रहा। अब तक 4 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। 17 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। फाफामऊ में आदर्श

कोल्ड स्टोरेज नाम की बिल्डिंग सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे धमाके के बाद ढह गई थी। इसका मालिक सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद उर्फ पहलवान है। घटना को लेकर फाफामऊ थाने में मामला दर्ज किया गया था। मौके पर कई चश्मदीदों से बात की। लोगों का कहना है कि धमाका ऐसा था कि मानो बम फटा हो। सबकुछ इतनी जल्दी हुआ कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। हर तरफ धूल ही धूल छा गई। अगर लंच टाइम नहीं होता, तो मरने वालों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती थी। कोल्ड स्टोरेज में काम करने वाले नंदन कुमार कहते हैं- क्या बताएं। लंच का टाइम हुआ था। सब खाना-वाना खाकर आराम करने के लिए इधर-उधर लेटने लगे। कुछ लोग बाहर भी चले गए।

लंच टाइम होने से बच गई कई की जान

23 मार्च को कोल्ड स्टोरेज में करीब 110 लोग काम पर रहे थे। हादसे के बाद चमश्दीद भी सदमे में हैं। लोगों का कहना है कि कोल्ड स्टोरेज में लंच टाइम था। यहां दो शिफ्ट में लंच होता है। पहला- दोपहर एक से दो बजे तक, दूसरा- दो से तीन बजे तक।

■ कोल्ड स्टोरेज का मालिक अंसार अहमद बीच में बैठा हुआ है। सफेद शर्ट में उसका बेटा मंजर और टीशर्ट पहने भतीजा अलाउद्दीन है। पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया है।

तेज धमाका और भरभराकर गिरने लगी छत

खून से लथपथ अपने पिता को ले जाते देख बेटे दीपक के आंसू नहीं रुक रहे थे। हादसे की वजह से वह इतना डर गया था कि सही से बोल भी नहीं पा रहा था। दीपक लड़खड़ाते शब्दों में बताता है- मेरे पिता बेल्हड़ चौधरी यहां मजदूरी करते हैं। अमोनिया गैस का टैंकर फट गया। तेज धमाका हुआ, पूरी छत भरभराकर गिरने लगी। सब चीखते हुए बाहर भागे। हमारे पिताजी वहीं सो रहे थे। मलबा उनके ऊपर गिरा। हम दूसरी तरफ सो रहे थे, इसलिए बच गए। ज्यादातर लोग खाना खाकर कुछ देर आराम करने के लिए लेट गए थे। कुछ लोग लंच करके बाहर चले गए थे। इसी बीच विस्फोट हुआ।

पड़ोसी ने अश्लील वीडियो बनाया था, एफआईआर लिखाने पर मार डाला

फतेहपुर में महिला की हत्या लाश पकड़कर रोती रही बेटी

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मिथलेश, मृतक

फतेहपुर । फतेहपुर में युवक ने मंगलवार शाम एक शादीशुदा महिला की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। उस वक्त महिला की तीनों बेटियां उसके साथ थीं। वे चीख-चीखकर मां को बचाने के लिए मदद की गुहार लगा रही थीं, लेकिन कोई नहीं आया।

आरोपी, महिला के पेट में ही चाकू फंसाकर भाग गया। जब पुलिस पहुंची तो एक बेटी मां की लाश के बगल बैठी रो रही थी। वह मम्मी... मम्मी चिल्ला रही थी। आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगा दी गई हैं। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है। कोंडरवा गांव में जय सिंह यादव परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी मिथलेश के अलावा तीन बेटियां हैं। मंगलवार शाम को मिथलेश खेत में काम कर रही थीं। तभी वहां पड़ोसी सोनू यादव (40) पहुंचा। उसने चाकू से मिथलेश पर हमला कर दिया। इससे उनकी मौत हो गई।

> पुलिस के अनुसार, युवक ने महिला का चुपके से अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दिया था। महिला ने युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बात से वह नाराज था।

सूचना मिलने पर एसपी अभिनव मांगलिक, एएसपी महेंद्र पाल सिंह, सीओ प्रमोद कुमार शुक्ला सहित कई थानों की पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिथलेश की जेठानी निर्मला देवी ने बताया- उनकी देवरानी भागते हुए आई थीं। बताया, सोनू हमला करने आ रहा है। इसी बीच सोनू वहां पहुंच गया और पेट, गले और पीठ पर चाकू से कई वार कर दिए। रोकने की कोशिश के बावजूद आरोपी नहीं रुका।

तीन बेटियों पर टूटा दुखों का पहाड़

मिथलेश की तीन बेटियां है। इनमें अंजली कक्षा 3, श्रेया कक्षा 2 और आकांक्षा केजी में पढ़ती हैं। उनके पिता जय सिंह मुंबई में काम करते थे। हाल ही में होली पर घर आए थे। बेटी अंजली के अनुसार, सोनू का उनके घर आना-जाना था।

उसने उनकी मां का अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया था और जांच में सामने आया कि आरोपी ने फर्जी आईडी से वीडियो पोस्ट किया था। इसी रंजिश में उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण में अनियमितताओं के आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। नगर निगम क्षेत्र के एक वार्ड में स्थित विकास भवन के गोकुलनगर इलाके में 'डूडा' योजना के तहत निर्मित इंटरलॉकिंग सड़क के संबंध में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान मानकों की अनदेखी की गई, ऐसा लोग जानकारी दें रहें, अतः सड़क के पूरा होने के कुछ ही समय बाद वह धंसने लगी। इससे इलाके में आवागमन प्रभावित व दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण के दौरान नीचे बिछाई गई कच्ची बजरी की परत को ठीक से नहीं बिछाया गया था। निर्माण कार्य में जल्दबाजी और लापरवाही के कारण सड़क की नींव मजबूत नहीं बन पाई। परिणामस्वरूप, जल निकासी के पास का हिस्सा और सड़क का एक किनारा अंदर से धंस गया है। लोगों का

कहना है कि सड़क के कई हिस्सों में धंसाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जिससे चालकों को काफी परेशानी हो रही है। निवासियों का कहना है कि सड़क के निर्माण को अभी दो महीना भी नहीं हुआ है, लेकिन इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सड़क धंस जाने के कारण दोपहिया और चार पहिया वाहनों की आवाजाही में कठिनाई हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर सड़क की समय पर मरम्मत नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है और एक बड़ी दुर्घटना हो सकती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

सम्मान : अपना आरएसओ का जॉइनिंग लेटर लूंगा, आईपीएल के चलते लखनऊ नहीं आ पाया

जल्द सीएम योगी का आशीर्वाद लेने आऊंगा : रिंकू सिंह

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 'IPL टीम KKR के साथ होने के कारण कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाया था। क्रिकेट शेड्यूल के चलते मेरी पहले से प्राथमिकता थी। इस वजह से समारोह में उपस्थित नहीं रह पाया। मैं जल्द ही मुख्यमंत्री योगी से आशीर्वाद लेने लखनऊ आऊंगा। अपना RSO का जॉइनिंग लेटर लूंगा।'

यह बात बुधवार को क्रिकेटर रिंकू सिंह ने वीडियो जारी कर कही। उन्होंने सीएम योगी का आभार जताया। कहा कि मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने 3 करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया और रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर (RSO) बनाया है।

दरअसल, मंगलवार को लखनऊ में सीएम योगी ने एक कार्यक्रम में यूपी के 5 खिलाड़ियों को जॉइनिंग लेटर और सम्मान राशि बांटी थी।

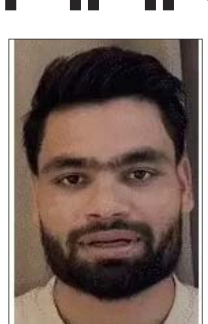

रिंकू सिंह
क्रिकेटर

इस कार्यक्रम में क्रिकेटर रिंकू सिंह नहीं पहुंचे थे।

रिंकू सिंह ने वीडियो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व की बात है। जल्द ही वह लखनऊ आकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। नियुक्ति पत्र प्राप्त करेंगे और उनका आशीर्वाद लेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी हल्के-फुल्के अंदाज में नजर आए थे। उन्होंने मजाक करते हुए कहा था- हमारे होम सेक्रेटरी भी गुल्ली-डंडा खेल चुके हैं। साथ ही यह भी जोड़ा था कि चौका-छक्का कहीं भी लगे, गेंद और बल्ला यूपी का होता है। उनकी इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद लोग मुस्कुराते नजर आए थे।

लखनऊ में सीएम योगी ने खिलाड़ियों को बांटे थे जॉइनिंग लेटर

24 मार्च की शाम लखनऊ में हुए एक कार्यक्रम में सीएम योगी ने प्रदेश के 5 खिलाड़ियों को जॉइनिंग लेटर सौंपे थे। साथ ही 40 खिलाड़ियों को सम्मानित किया था। गाजीपुर के राजकुमार पाल को पुलिस विभाग में DSP नियुक्त किया गया था।

ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों में नोएडा के प्रवीण कुमार, इटावा के अजीत सिंह और गाजियाबाद के सुमिरन को पंचायती राज विभाग में अधिकारी बनाया गया। मुजफ्फरनगर की प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी (BDO) का पद सौंपा गया है।

रिंकू को 3 करोड़ का पुरस्कार और आरएसओ पद मिला है

यूपी सरकार ने रिंकू सिंह को 3 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार के साथ रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर (RSO) के पद पर नियुक्त किया है। यह सम्मान उनके क्रिकेट करियर में शानदार प्रदर्शन और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए दिया गया है।

■ लखनऊ में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में प्रदेशभर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया था। सहारनपुर की तान्या चौधरी को सीएम योगी ने रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार दिया था।

गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने की दिशा में बड़ी पहल

पंजीयन, बीमा, केवाईसी और कार्यदशाओं में सुधार के सुझावों पर हुआ विचार-विमर्श

> ■ श्रम विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में वर्कर्स, एग्रीगेटर्स व ट्रेड यूनियनों के साथ व्यापक संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के तत्वावधान में गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स की चुनौतियों, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकताओं के चिन्हांकन हेतु लखनऊ के गोमती नगर स्थित होटल मेरियट में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ० शन्मुगा सुन्दरम् ने की, जिसमें प्लेटफार्म वर्कर्स, ट्रेड यूनियनों, एग्रीगेटर्स एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्रमिक प्रतिनिधियों एवं एग्रीगेटर्स के साथ अलग-अलग संवाद स्थापित कर गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स के समक्ष आने वाली समस्याओं, कार्यदशाओं, सुरक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। उप श्रमायुक्त द्वारा श्रम संहिताओं के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स के लिए उपलब्ध सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों की जानकारी दी गई।

निदेशक सेवायोजन श्रीमती नेहा प्रकाश ने गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स की परिभाषा स्पष्ट करते हुए सेवामित्र पोर्टल पर उपलब्ध 28 सेवाओं की जानकारी दी तथा वर्कर्स को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संयुक्त सचिव एवं अन्य अधिकारियों ने गिग इकोनॉमी के महत्व और वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख सचिव डॉ० शन्मुगा सुन्दरम् ने कहा कि श्रम संहिताओं में पहली बार गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है और उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में इस प्रकार की पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिग वर्कर्स की भागीदारी लगभग एक ट्रिलियन डॉलर है। उन्होंने सभी वर्कर्स से पंजीयन कराने तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना से जुड़ने का आह्वान किया।

पिता बोले- भाई की शादी में भी घर नहीं आया, जासूसी में पकड़ा गया प्रयागराज का एयरफोर्स कर्मी

'बेटा गद्दार हो तो सजा मिले'

शर्मसार

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । "अगर सुमित ने देश से गद्दारी की है, तो कानून उसे सजा देगा। उसने जो किया है, वह अच्छा नहीं किया। उसने परिवार को शर्मसार कर दिया। उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन बेटा है, तो पीड़ा होगी ही। वह 11 साल से घर नहीं आया। दूसरे बेटे की शादी में भी नहीं आया। उसकी मां कॉल करती थीं, तो 'बिजी हूं' कहकर फोन काट देता था।"

यह कहना है प्रयागराज के लाहुरपार गांव के रहने वाले बेनीमाधव का। 22 मार्च को उनके 36 साल के बेटे को राजस्थान इंटेलिजेंस ब्यूरो ने असम के चबुआ एयरफोर्स स्टेशन से गिरफ्तार किया। वह MTS (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के पद पर तैनात था।

राजस्थान इंटेलिजेंस ब्यूरो के एडीजी प्रफुल्ल कुमार ने बताया- पूरे मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई। पूछताछ के दौरान सुमित कुमार नाम के एक और संदिग्ध का नाम सामने आया, जो लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था।

जांच में पता चला कि आरोपी सुमित असम के एयरफोर्स स्टेशन में तैनात था। वहां से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाता था।

पिता बोले-बेटे की तस्वीर न्यूज पर देखकर हैरान रह गया

पिता बेनीमाधव ने बताया कि बेटा पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ा गया है। यह जानकारी मुझे न्यूज से मिली। उसकी फोटो देखकर हैरान रह गया। पांच बेटों में सुमित तीसरे नंबर का है। सबसे बड़ा रामराज, दूसरे नंबर पर रामशरन और सबसे छोटा रजनीश है। तीनों गांव में दूध बेचने का काम करते हैं, जबकि चौथे नंबर का राजकुमार एयरफोर्स में फोर्थ क्लास कर्मचारी है। वह लद्दाख में तैनात है। पिता ने बताया कि उनके घर से कुछ दूरी पर ही एयरफोर्स कैंपस है। वह वहां अफसरों के घर दूध देने जाते थे। उस दौरान सुमित भी उनके साथ जाता था। इसी दौरान वह एक अफसर के संपर्क में आया। 2011 में उस अफसर का ट्रांसफर हुआ और वह सुमित को भी अपने साथ असम ले गए। इसके बाद उसे वहीं नौकरी दिला दी गई। कुछ सालों तक सब ठीक रहा, लेकिन फिर उसने घर आना-जाना बंद कर दिया। परिवार से बातचीत कम कर दी।

आरोप है कि उसने लड़ाकू विमानों की लोकेशन, अधिकारियों-कर्मचारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के हैंडलर्स को भेजी थीं। 23 मार्च को राजस्थान इंटेलिजेंस ने उसे जयपुर सीजेएम कोर्ट में पेश किया।

ये सुमित का घर है। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

शिलांग में शादी की, 12 साल का बेटा है

सुमित की भाभी रानी ने बताया कि 2018 में सुमित के भाई राजकुमार की शादी थी। परिवार ने उसे कार्ड दिया और फोन भी किया, लेकिन वह नहीं आया। नौकरी के दौरान उसका तबादला शिलांग हो गया। वहां उसने एक लड़की से शादी कर ली। उसका 12 साल का एक बेटा है। कुछ समय बाद उसका ट्रांसफर फिर असम हो गया, लेकिन उसकी पत्नी उसके साथ नहीं गई। परिवार का उससे अब कोई संपर्क नहीं है।

वाराणसी में चार हत्याओं के दोषी को फांसी

जुआ खेलने की शिकायत पर लिया बदला

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में एक पुराने हत्याकांड में आरोपी रविन्द्र उर्फ राजू को बुधवार को फांसी की सजा सुनाई गई। राजू ने लोहे की रॉड से एक ही परिवार के चार लोगों पर हमला किया था, जिसमें चारों की मौत हो गई थी।

बताया जाता है कि राजू जुआ खेलता था और इसकी शिकायत उसके घर पर की गई थी। इसी बात से नाराज होकर उसने बदला लेने के लिए यह वारदात की। यह घटना 29 अक्टूबर 2013 को चोलापुर थाना क्षेत्र के चंदापुर गांव में हुई थी।

अदालत ने कहा- यह सामान्य मामला नहीं है। आरोपी ने पूरी योजना बनाकर हत्या की, इसलिए इसे दुर्लभतम मामलों में रखते हुए कड़ी सजा देना जरूरी है। फैसले के बाद गांव में एक बार फिर डर का माहौल है। लोगों को उस घटना की यादें ताजा हो गई हैं।

चोलापुर थाना क्षेत्र के चंदापुर गांव के बाहर जल निगम के ऑपरेटर मोहनलाल जायसवाल का मकान था। घर के पीछे बाग में अक्सर संदिग्ध लोगों का जमावड़ा लगता था। यहां जुआ, शराब और दावत का दौर चलता था। आरोपी राजू भी इसमें शामिल रहता था।

मोहनलाल ने इस बात की शिकायत राजू के घर पर की थी। उन्होंने कहा था कि वह गलत संगत में पड़ रहा है। घरवालों की डांट के बाद राजू ने इसे अपनी बेइज्जती मान लिया। तभी उसने पूरे परिवार को खत्म करने की ठान ली।

फास्ट न्यूज

अलग-अलग सड़क हादसों में 2 की मौत

आगरा । एकता थाना क्षेत्र के देवरी रोड पर ऑटो चालक की लापरवाही ने एक मजदूर की जान ले ली। दिव्यांग गीतम सिंह (40) आलू खुदाई का काम करते थे। वह खेत पर जा रहे थे, तभी सैमरी के ताल के पास सामने से आए तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद गीतम सिंह ऑटो से गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। गीतम सिंह के भाई जगन ने बताया कि ऑटो में पहले से सात सवारियां थीं, लेकिन चालक ने गीतम को अपनी सीट पर बैठा लिया था।

फरसा वाले बाबा के निधन पर जताया शोक

बलदेव। कोसीकलां क्षेत्र में अपना संपूर्ण जीवन गौ सेवा और धर्म के लिए समर्पित करने वाले प्रसिद्ध गौ रक्षक फरसा वाले बाबा चंद्रशेखर की मृत्यु पर स्थानीय वाशिंदों ने भी शोक जताया है। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने कहा है कि बाबा का निधन समाज और गौ रक्षा आंदोलनों के लिए एक बड़ी क्षति है। आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त अनुयायियों व परिजनों को यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। बाबा के निधन पर स्थानीय अखिलेश पाठक,रवेंद्र सिंह,देव अग्रवाल,चंद्रपाल सिंह, आदि ने भी शोक जताया है।

कोल्ड स्टोरेज हादसे में पूर्व मंत्री का करीबी गिरफ्तार

प्रयागराज । प्रयागराज के फाफामऊ में कोल्ड स्टोरेज हादसे में बुधवार को एक और आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया। मो. जाबिर अली उर्फ जावेद प्रतापगढ़ का रहने वाला है और पूर्व मंत्री अंसार अहमद के कोल्ड स्टोरेज में कामकाज देखता था। अब इस मामले में तीन नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी है। उनकी तलाश के साथ ही अज्ञात आरोपियों को चिह्नित करने का प्रयास जारी है।

इटली में उच्च शिक्षा अवसरों पर यूनि इटालिया का आईपीईसी में संवाद

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की ओर कदम

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में यूनि इटालिया के प्रतिनिधियों ने छात्रों, स्कूल प्रिंसिपलों एवं काउंसलरों के साथ विशेष संवाद सत्र आयोजित किया। यूनि इटालिया, भारत में इटली दूतावास द्वारा समर्थित एक आधिकारिक संस्था है, जो भारतीय छात्रों को इटली में उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ने का कार्य करती है। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों के लिए आयोजित एक जानकारीपूर्ण सत्र से हुई, जिसका संचालन यूनि इटालिया की एसोसिएट रूबी थॉमस ने किया। इसके पश्चात यूनि इटालिया इंडिया कार्यालय के समन्वयक अर्कप्रभा बिस्वास तथा इटैलियन भाषा समन्वयक रोसेला ने आमंत्रित स्कूल प्रिंसिपलों व काउंसलरों से संवाद स्थापित किया।

इस दौरान प्रतिनिधियों ने भारतीय छात्रों के लिए इटली में उपलब्ध उच्च शिक्षा के बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने इटली में अध्ययन के लिए आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी भी साझा की। यूनि इटालिया टीम ने भारत में इटैलियन भाषा के प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि स्कूल स्तर पर जागरूकता बढ़ाकर छात्रों को इटली की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संभावनाओं से अवगत कराया जा सकता है।

चौमुहां क्षेत्र पंचायत बैठक में 1 करोड़ के विकास प्रस्ताव पास

> बैठक में बताया गया कि चौमुहां ब्लॉक, जो कभी विकास के मामले में दसवें स्थान पर था, अब प्रथम स्थान पर पहुंच चुका है। इस बैठक में लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से कराए जाने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित किए गए।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा (चौमुहां)। विकास खंड सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक प्रमुख श्रीमती जमुना देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधान, सचिव एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत बीडीओ अभिमन्यु सेठ ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए की तथा सदस्यों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को निस्तारण के निर्देश दिए।

ब्लॉक प्रमुख की अनुमति से नए विकास प्रस्ताव आमंत्रित किए गए, जिन पर सभी सदस्यों ने सहमति जताई। इस दौरान पंडित शोभाराम शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि

वर्तमान कार्यकाल में चौमुहां ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत निधि से अब तक 8 करोड़ 97 लाख 46 हजार 116 रुपये के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। वहीं मनरेगा योजना के तहत 16 करोड़ 17 लाख 99 हजार 216 रुपये की लागत से विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्य संपन्न हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 222 एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 268 पक्के मकानों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि विकासखंड की कोई भी ग्राम पंचायत ऐसी नहीं है, जहां विकास कार्य न हुए हों, और कार्यकाल के दौरान विकास कार्य प्राथमिकता में रहेंगे।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख जमुना देवी द्वारा नलकूप लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। बीडीओ अभिमन्यु सेठ ने कहा कि जिन विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उन्हें शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारी ने प्रधानों से क्षेत्र में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं से हुए नुकसान की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा।

बलदेव ब्लॉक प्रदर्शनी में बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं का प्रभावी प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। प्रदेश सरकार की 'सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन' की नीति के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास खंड बलदेव के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शनी में बेसिक शिक्षा विभाग ने अपनी विभिन्न उपलब्धियों, योजनाओं और नवाचारों का प्रभावी प्रदर्शन किया। खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत ने कहा कि महिलाएं सरकारी योजनाओं से खुद आत्म निर्भर बन कर दूसरों को रोजगार दे रही हैं।इस अवसर पर विभिन्न विभागों को अपने कार्यों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला।

प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉल के माध्यम से ऑपरेशन कायाकल्प, डीबीटी, निपुण भारत मिशन, स्कूल चलो अभियान, माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम, मिशन शक्ति, इको क्लब फॉर मिशन लाइफ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पीएम ई-विद्या कार्यक्रम, कन्या सुमंगला योजना तथा प्रोजेक्ट अलंकार जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी आम जनमानस, ग्राम प्रधानों और अन्य आगंतुकों को दी गई।

मिशन शक्ति रैली से गूंजा मथुरा महिला सशक्तिकरण का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद मथुरा में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु भव्य बाइक-स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर टैंक चौराहा, एसबीआई डीग गेट चौराहा होते हुए पुनः पुलिस लाइन पहुंची। रैली में 137 महिला पुलिस-कर्मियों एवं पुलिस मॉडर्न स्कूल की शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली को अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं मिशन शक्ति नोडल अधिकारी सुरेश चंद्र रावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भ-रता सुनिश्चित करना है।

रैली में शामिल प्रतिभागियों ने "मिशन शक्ति से महिलाएं सुरक्षित, सम्मानित", "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" और "महिलाओं का सम्मान, समाज का अभिमान" जैसे प्रभावशाली नारों के साथ जनजाग-रूकता फैलायी। मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने रैली का स्वागत किया और उत्साहपूर्वक समर्थन जताया।

उन्होंने बताया कि फेज 5.0 के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम जैसे रैलियां, सेमिनार एवं प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक हैं। महिला पुलिसकर्मियों की सक्रिय भागीदारी से यह संदेश और भी प्रभावी रूप से जनमानस तक पहुंचा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा श्लोक कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। जनपद में पिंक बूथ, महिला हेल्प डेस्क और अन्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

कानपुर में नाबालिग लड़की से गैंगरेप

कानपुर । कानपुर के बिठूर थाना क्षेत्र में 16 साल की लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन युवकों ने मंदिर के पास से लड़की को फुसलाकर ले गए। मंधना में घर में उसके साथ रेप किया। घटना की जानकारी बुधवार सुबह उस मकान में रहने वाले किरायेदार ने पुलिस को दी।

पीड़ित लड़की वाराणसी की रहने वाली है। उसने पूछताछ में बताया कि कानपुर में चाचा के यहां आ रही थी। हालांकि, पुलिस को अभी उसके चाचा के घर का एड्रेस नहीं मिला है।

कुरसौली रोड दाईं पुरवा निवासी एक कारोबारी के बेटे और उसके दो दोस्तों पर रेप का आरोप है। पुलिस को सूचना देने वाले किरायेदार ने बताया कि वह मकान के ऊपरी कमरे में रहते हैं। सुबह नीचे कमरे से आवाज आने पर जब देखने पहुंचा तो अंदर एक लड़की लेटी मिली। पूछने पर उसने बताया कि मकान मालिक के बेटे और उसके दो साथियों ने उसके साथ गलत काम किया है। इसके बाद किरायेदार ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी।

एमआईटी में निशुल्क डेंटल चेकअप कैंप 250 से अधिक छात्रों ने उठाया लाभ

ओरल हेल्थ पर एक जानकारीपूर्ण सेमिनार भी आयोजित हुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में कालका डेंटल कॉलेज के सहयोग से निशुल्क डेंटल चेकअप कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को दांतों से संबंधित समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया तथा ओरल हेल्थ पर एक जानकारीपूर्ण सेमिनार भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसी क्रम में एक रोचक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप के दौरान ढाई सौ से अधिक छात्र-छात्राओं का निशुल्क ओरल हेल्थ चेकअप किया गया। विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को दांतों की

सही देखभाल के बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, जरूरतमंद विद्यार्थियों को मुफ्त परामर्श और दवाइयां भी वितरित की गईं।

कालका डेंटल कॉलेज से जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीनू सिरोही, मनोविज्ञान विभाग की सहयोगी प्रोफेसर डॉ. सीमा शर्मा, सहायक प्रोफेसर डॉ. मोनिका एवं डॉ. सिद्धिय वर्मा ने कैंप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, प्रिंसिपल (फार्मेसी) डॉ. नीरज कांत शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. गौरव शर्मा, रितिमा, आउटरीच हेड शिखा चौहान, सिमरन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन ने छात्रों में ओरल हेल्थ के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की अहमियत को भी रेखांकित किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

रामनवमी पर दो दिन ...

अतिरिक्त अवकाश से यातायात, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने में भी मदद मिलेगी

सरकारी कैलेंडर में पहले गुरुवार यानी, 26 मार्च को ही रामनवमी का अवकाश था। हालांकि, रामनवमी शुक्रवार को पड़ रही है, लिहाजा कर्मचारी शुक्रवार को रामनवमी का अवकाश किए जाने की मांग कर रहे थे। मंगलवार को सचिवालय में कंप्यूटर सहायक एवं सहायक समीक्षा अधिकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष सौरभ सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष संजीव कुमार सिन्हा और मौजूदा उपाध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी ने 27 मार्च को अवकाश घोषित किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा था। बुधवार को 27 की भी छुट्टी का आदेश जारी होने पर सचिवालय में कर्मचारी नेता सौरभ सिंह, संजीव कुमार सिन्हा, मानस मुकुल त्रिपाठी, विनोद तिवारी और धीरज पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है।

प्रदेश सरकार के इस कदम को आस्था के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। अतिरिक्त अवकाश से यातायात, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने में भी मदद मिलेगी। प्रदेश सरकार पहले ही 26 मार्च को अवकाश घोषित कर चुकी थी, जिसे अब बढ़ाकर 27 मार्च तक कर दिया गया है।

आपको बता दें कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार रामनवमी की तिथि को लेकर बनी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। तिथि स्पष्ट नहीं है। रामनवमी का पावन उत्सव इस वर्ष 26 मार्च को मनाया जाएगा या 27 को इसे लेकर ज्योतिषाचार्यों के अलग-अलग मत हैं। कई ज्योतिषाचार्य का कहना है कि रामनवमी 26 को है। वहीं किसी पंडित का कहना है कि 27 को मनाई जाएगी। उत्तर प्रदेश में पहले सरकार ने 26 मार्च को अवकाश घोषित किया था। असमंजस की स्थिति बनी तो 27 को अवकाश की मांग उठी।

'हम पाकिस्तान की ...

सूत्रों के मुताबिक जब विदेश मंत्री से पाकिस्तान की ईरान युद्ध में मध्यस्थता वाली बात पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा ये तो 1981 से चल रहा है.. US ने सालों से पाकिस्तान को ईरान के साथ बातचीत में लगा रखा है We arer not Dalal nation

इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, जेपी नड्डा, जेडीयू से लल्लन सिंह और संजय झा, कांग्रेस से तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, सीपीआई-एम से जॉन ब्रिटास, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी मौजूद रहे। सरकार की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात पर ब्रीफिंग दी।

सूत्रों के मुताबिक राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में सरकार ने एक मजबूत और आश्वस्त करने वाला संदेश दिया कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच हालात पूरी तरह से नियंत्रण में है। चिंतित होने की जरूरत नहीं है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा एक डिटेल्ड प्रजेंटेशन के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी बताया कि कच्चे तेल, एलपीजी और अन्य आवश्यक आपूर्ति की पर्याप्त उपलब्धता के साथ ऊर्जा सुरक्षा स्थिर बनी हुई है। भारत की मजबूत शोधन क्षमता उर्वरकों सहित निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। चार शिप आ चुके हैं और आने की उम्मीद है। सरकार ने अपनी सक्रिय कूटनीतिक पहुंच पर जोर दिया और कहा कि भारत सभी पक्षों के संपर्क में है। जहाज आ रहे हैं और सप्लाई लाइनें एक्टिव हैं। यह देश के लिए एक कूटनीतिक सफलता है।

शंकराचार्य की...

शंकराचार्य की गिरफ्तारी के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे आशुतोष महाराज आशुतोष महाराज की प्रवक्ता रीना एन. सिंह ने बताया- हाईकोर्ट ने अविमुक्ते-श्वरानंद को जमानत दी है। इसके बावजूद हमारी न्याय के लिए लड़ाई जारी रहेगी। हम इस आदेश से असंतुष्ट हैं। न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हम धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। शंकराचार्य की गिरफ्तारी के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

90 दिन के अंदर दाखिल करनी होती है चार्जशीट अगर आरोपी जेल में है, तो पुलिस को हर हाल में 90 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी होती है। नहीं, तो कोर्ट जवाब मांग लेता है। लेकिन, अगर आरोपी गिरफ्तार नहीं है, तो पुलिस जांच के नाम पर कुछ वक्त ले सकती है। लेकिन, पुलिस को इसकी वजह बतानी होगी।

अब जानिए क्या होती है चार्जशीट चार्जशीट वह रिपोर्ट होती है जो पुलिस जांच पूरी होने के बाद कोर्ट में देती है। इसमें बताया जाता है कि आरोपी ने क्या किया? उसके खिलाफ कौन-कौन से सबूत हैं? किन कानूनों के तहत केस बनेगा? इसके बाद कोर्ट तय करता है कि केस चलेगा या नहीं। आसान शब्दों में कहें, तो चार्जशीट का सीधा का मतलब है कि पुलिस ने अपना काम खत्म कर लिया। अब फैसला कोर्ट को करना है।

27 फरवरी को...

जज (रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट) विनोद कुमार चौरसिया के आदेश के बाद झूंसी थाने की पुलिस ने स्वामी अविमु-क्तेश्वरानंद के खिलाफ बटुकों से कुकर्म की 21 फरवरी को FIR दर्ज की थी।

ईरान ने पाकिस्तानी ...

इनमें जग वसंत, पाइन गैस, शिवालिक, नंदा देवी और जग लाडकी शामिल है । मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच इराक में एक बार फिर बड़ा हमला हुआ है। पश्चिमी इराक के अनबार इलाके में एक पैरामिलिट्री ठिकाने को निशाना बनाया गया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, एक फाइटर जेट से दो मिसाइलें दागी गईं। हमले में 'हश्द अल-शाबी' नाम के समूह को निशाना बनाया गया। यह पहले एक पैरामिलिट्री संगठन था, लेकिन अब इराक की सरकारी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा माना जाता है। हमला उसी बेस पर हुआ, जिस पर एक दिन पहले भी अटैक हुआ था, जिसमें 15 लड़ाकों की मौत हो गई थी। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज का कहना है कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग 2003 के इराक युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक हैं। संसद में बोलते हुए सांचेज ने कहा कि यह 2003 के इराक वॉर जैसी नहीं है, हम इससे कहीं ज्यादा गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। सांचेज के मुताबिक, इस बार हालात ज्यादा खराब इसलिए हैं क्योंकि इसका असर सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं है, पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता हैस तेल और ऊर्जा संकट तेजी से बढ़ रहा है।

2003 में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने इराक पर हमला किया था। उस युद्ध के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में अस्थिरता बढ़ गई थी।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान के नागरिकों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब ईरानी लोग टूरिस्ट वीजा पर ऑस्ट्रेलिया नहीं जा सकेंगे। यह नया नियम गुरुवार से लागू हो जाएगा और करीब छह महीने तक जारी रहेगा। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री ने कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि सरकार को डर है कि कुछ लोग वीजा खत्म होने के बाद भी देश में रह सकते हैं। हालांकि, सभी ईरानी नागरिकों पर पूरी तरह रोक नहीं लगी है। जिनके पास लॉन्ग टर्म का वीजा है या जिनके परिवार ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं ऐसे लोगों को आने की इजाजत दी जा सकती है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के जंगी जहाज एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन पर मिसाइल हमला किया, जिसके बाद उसे इलाका छोड़कर पोजिशन बदलनी पड़ी। ईरानी सेना के मुताबिक, नौसेना ने कादेर क्रूज मिसाइलों से कैरियर को निशाना बनाया। इस हमले के बाद अमेरिकी बेड़े को अपनी स्थिति बदलनी पड़ी।

16.71 हजार करोड़ में आदित्य बिड़ला, टाइम्स ग्रुप समेत 4 कंपनियों ने खरीदा, राजस्थान रॉयल्स 15 हजार करोड़ में बिकी

आरसीबी सबसे महंगी आईपीएल टीम

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बेंगलुरु IPL की सबसे महंगी टीम बन गई। RCB टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, RCB की मेंस और विमेंस टीम को आदित्य बिड़ला ग्रुप (ABG), टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप (TOI), बोल्ट वेंचर्स (Bolt) और ब्लैकस्टोन्स परपिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी (BXPE) ने मिलकर खरीदा। डील को पूरा करने के लिए BCCI, कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया और अन्य रेगुलेटरी संस्थाओं की मंजूरी जरूरी होगी। दोनों ही टीमें मौजूदा समय में IPL और WPL की चैंपियन हैं। इससे पहले क्रिकबज ने ही मंगलवार को बताया था कि राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी IPL टीम बन गई।

न्यूज एजेंसी PTI ने सोर्स के हवाले से बताया कि भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने राजस्थान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई, जिसे मंजूर कर लिया गया।

> आरसीबी सबसे महंगी टीम बनी। वहीं राजस्थान ने लखनऊ सुपर जायंट्स का रिकॉर्ड तोड़ा था। लखनऊ को संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने 2021 में 7,090 करोड़ की भारी बोली लगाकर खरीदा था।

4 कंपनियों के कंसोर्टियम ने पिछली मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (USL) के साथ एग्रीमेंट साइन किया और RCB के 100% शेयर्स खरीद लिए। इस एग्रीमेंट में RCB की मेंस और विमेंस दोनों टीमें शामिल हैं। विमेंस टीम के नाम 2 विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) टाइटल हैं, वहीं मेंस टीम 2025 में ही पहली बार चैंपियन बनी थी। RCB को 2008 में विजय माल्या ने 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। तब यह कीमत भारतीय मुद्रा में 446 करोड़ रुपए थी, लेकिन मार्च 2026 के कन्वर्जन के हिसाब से यह कीमत 1050 करोड़ रुपए होती है। यानी RCB की कीमत 19 साल में करीब 16 गुना तक बढ़ गई। RCB को 2016 में USL कंपनी ने खरीद लिया था। अब 10 साल बाद टीम को नया मालिक मिल गया।

आर्यमान बिड़ला चेयरमैन बने

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की नई ओनरशिप के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान बिड़ला को टीम का चेयरमैन भी बनाया गया। 28 साल के आर्यमान बिड़ला का क्रिकेट और बिजनेस दोनों में अनुभव रहा है। वे पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं और मध्य प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं।

उन्होंने 16 पारियों में 414 रन बनाए, जिनमें एक शतक शामिल है। 2018 के IPL ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। इसके बाद 2019 में उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया।

क्रिकेट से दूर होने के बाद उन्होंने बिजनेस पर फोकस किया। आर्यमान ने आदित्य बिड़ला ग्रुप के हॉस्पिटैलिटी और वेंचर कैपिटल की शुरुआत की। 2023 में वे ग्रुप की टॉप डिसीजन मेकिंग बॉडी में शामिल हुए। इसके अलावा वे हिंदाल्को इंडस्ट्रीज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल जैसी कंपनियों के बोर्ड में भी हैं।

आर्यमान बिड़ला मध्य प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं।

पूजा-दर्शन करके 56 भोग अर्पित किए शादी के बाद पहली बार वृंदावन आए

कुलदीप यादव पत्नी वंशिका के साथ बांके बिहारी मंदिर पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । क्रिकेटर कुलदीप यादव ने पत्नी वंशिका के साथ वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन किए। वे मंगलवार शाम साढ़े 7 बजे मंदिर पहुंचे थे। दोनों ने देहरी (चौखट) पर इत्र लगाकर सेवा की। भगवान को 56 भोग अर्पित किए। शादी के बाद दोनों पहली बार मथुरा पहुंचे थे। कुलदीप इतनी गुपचुप तरीके से वृंदावन पहुंचे कि किसी को इसकी भनक तक नहीं हुई। फोटो-वीडियो सामने आने के बाद बुधवार सुबह लोगों को इसकी जानकारी हुई। दोनों करीब 25 मिनट तक मंदिर में रहे। इस दौरान मंदिर के गार्ड उन्हें घेरकर खड़े रहे। मंदिर के सेवायत शैलेंद्र गोस्वामी ने बताया कि कुलदीप के परिवार ने उनके आने की जानकारी दी थी। भीड़भाड़ से बचने के लिए इसे गोपनीय रखने को कहा था। मंदिर पहुंचने पर मैंने और नितिन सांवरिया ने पूजा-अर्चना कराई। इत्र देकर चौखट की पूजा करवाई। भगवान की प्रसादी माला भेंट की। करीब एक घंटे वृंदावन में रहने के बाद दोनों दिल्ली रवाना हो गए।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को मसूरी में शादी की थी। शादी में क्रिकेटर रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी पहुंचे थे। 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन पार्टी हुई थी। सीएम योगी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कुलदीप-वंशिका को आशीर्वाद दिया था। कुलदीप और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं। ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती थीं। पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। कुलदीप लाल बंगला इलाके में रहते हैं। वंशिका और कुलदीप के घर के बीच की दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर थी। कुलदीप ने साल 2024 में एक इंटरव्यू में वंशिका के बारे में बात करते हुए कहा था कि उनकी जिंदगी में उनके लिए खास जगह है।

डकेट ने आईपीएल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने IPL 2026 से नाम वापस ले लिया है। खराब फॉर्म के बीच अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देने के लिए उन्होंने यह फैसला लिया। हालांकि, आखिरी समय पर हटने के कारण उन्हें IPL से दो साल के बैन का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि पिछले साल फ्रेंचाइजियों ने ऐसे विदेशी खिलाड़ियों पर सख्ती करने का फैसला किया था।

वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। उन्हें चोटिल नाथन एलिस की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर 1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर साइन किया गया है। एलिस पुरानी हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिसंबर में हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने बेन डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। डकेट पहली बार IPL खेलने वाले थे, लेकिन टीम में विदेशी खिलाड़ी के स्लॉट के लिए उन्हें श्रीलंका के पथुम निसांका से कड़ी टक्कर मिल रही थी।

आईपीएल में 11 साल टीम का हिस्सा रहे, 2 बार खिताब जिताया

केकेआर ने रसेल की जर्सी नंबर 12 रिटायर की

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के सम्मान में उनकी जर्सी नंबर 12 को रिटायर कर दिया है। रसेल 2014 से 2025 तक टीम का हिस्सा रहे, सिर्फ 2017 सीजन को छोड़कर। पिछले साल नवंबर में उन्होंने IPL से संन्यास लिया और अब टीम के पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

आंद्रे रसेल का IPL करियर मुख्य रूप से कोलकाता नाइट राइडर्स के इर्द-गिर्द ही रहा। उन्होंने अपने कुल 140 IPL मैचों में से 133 मैच सिर्फ KKR के लिए खेले। वे 11 सीजन तक टीम के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहे। रसेल ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से, बल्कि अपनी डेथ ओवर गेंदबाजी से भी टीम को कई मुश्किल मैचों में जीत दिलाई।

कोच की नई भूमिका को लेकर रसेल ने कहा,'मुझे नहीं लगता कि कोच बनने से मेरी मानसिकता में कोई बदलाव आया है। यह उन खिलाड़ियों को कुछ वापस देने जैसा है जिनके साथ और जिनके खिलाफ मैं सालों तक खेला हूं। मुझे वापस आकर इन लड़कों की मदद करने में बहुत अच्छा लग रहा है।'

रसेल का नाता सिर्फ IPL वाली KKR से ही नहीं रहा, बल्कि वे नाइट राइडर्स की अन्य फ्रेंचाइजी के लिए भी खेलते रहे हैं। वे ILT20 में 'अबू धाबी नाइट राइडर्स' और CPL में 'त्रिनबागो नाइट राइडर्स' का भी हिस्सा रहे। इन दोनों ही टीमों के लिए उन्होंने 4-4 सीजन खेले हैं। इसके अलावा 2014-15 के चैंपियंस लीग टी-20 में भी उन्होंने KKR को फाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी।

2014 और 2024 की खिताबी जीत का रहे हिस्सा

रसेल दो बार KKR की खिताबी जीत (2014 और 2024) का हिस्सा रहे। 2014 में उन्होंने सिर्फ 2 मैच खेले थे, लेकिन 2024 में टीम को चैंपियन बनाने में उनकी भूमिका सबसे बड़ी रही। उस सीजन में रसेल ने 15 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए और 19 विकेट भी झटके। गेंदबाजी में उनका औसत 15.52 का रहा, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए बेहतरीन आंकड़ा है।

मनोरंजन

बोलीं- मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ, परिवार ने मेरा साथ नहीं दिया

मोनालिसा ने डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर लगाए गंभीर आरोप

कोच्चि । प्रयागराज के कुंभ मेले से चर्चा में आईं मोनालिसा भोंसले ने मंगलवार को डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग के दौरान गलत तरीके से छूने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

मोनालिसा ने केरल के कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सनोज मिश्रा अच्छा इंसान नहीं है। उसने मुझे 10 बार गलत तरीके से छुआ। मैंने अपने परिवार को बताया कि सनोज मिश्रा ने मुझे छुआ, लेकिन उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मुझे पता है कि मैंने क्या सहा है। मेरे साथ गलत व्यवहार हुआ है। मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे जब छुआ। मैंने यह बात अपने पूरे परिवार को बताई, लेकिन कहा गया कि यह तुम्हारी पहली फिल्म है। क्या पहली फिल्म के लिए मुझसे रेप करवाओगे?

सनोज मिश्रा ने गांधीगिरी, राम की जन्मभूमि और पश्चिम बंगाल की डायरी जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

> मोनालिसा ने केंद्र सरकार के साथ केरल और मध्य प्रदेश सरकार से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने कहा कि उनके पोस्टर जलाए जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डायरेक्टर उनके बारे में गलत बातें फैला रहा है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहतीं।

मोनालिसा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि उनके पति के खिलाफ शादी को लेकर गलत आरोप न लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि डायरेक्टर उनकी शादी को ल व जिहाद बता रहा है और समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहा है। मोनालिसा ने सभी धर्मों के प्रति सम्मान जताया। मोनालिसा ने कहा कि अगर उन्हें उनके पति से अलग करने की कोशिश की गई तो दोनों आत्महत्या कर लेंगे। सनोज मिश्रा ने गांधीगिरी, राम की जन्मभूमि और पश्चिम बंगाल की डायरी जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

पति फरमान ने भी गंभीर आरोप लगाए

वहीं, मोनालिसा के पति फरमान ने भी आरोप लगाया कि डायरेक्टर उन्हें आतंकवादी बता रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम परिवार में जन्म लेने और उनका नाम फरमान खान होने के कारण उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं।

फरमान ने कहा कि वह श्री नारायण गुरु में विश्वास रखते हैं और उन्होंने उसी के एक मंदिर में शादी की है।

बता दें कि दोनों ने हाल ही में केरल में शादी की है, क्योंकि मोनालिसा के परिवार को यह रिश्ता स्वीकार नहीं था। वे फिल्म शूट के सिलसिले में तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे।

जयपुर में मॉडल रह चुकी युवती की मौत

कार बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

जयपुर में सोमवार देर रात सड़क हादसे में मॉडल रह चुकी युवती की मौत हो गई। अभी स्टेज एंकरिंग करती थी। देर रात अपनी सहेली के घर से लौट रही थी। घर लौटते समय उसकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलटी खा गई। हादसे का वीडियो भी सामने आया है। एक्सीडेंट थाना (साउथ) के हेड कॉन्स्टेबल कैलाश ने बताया- हादसे में मानसरोवर की एसएफएस कॉलोनी निवासी हर्षिल कालिया (30) पुत्री अरविंद कालिया की मौत हो गई। रात करीब 11:30 बजे युवती कार से घर लौट रही थी। शिप्रापथ रोड पर नगर निगम कार्यालय के पास मोड़ पर कार बेकाबू हो गई, डिवाइडर पर चढ़ी और पलट गई। कार पलटने के कारण युवती के सिर में गंभीर चोट लग गई थी। राहगीरों की सूचना पर शिप्रापथ और एक्सीडेंट साउथ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सीधा करवाया और घायल हर्षिल को गंभीर हालत में जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। हर्षिल अपनी सहेली से मिलकर वापस घर लौट रही थी। कार पलटने पर सिर सहित आधा हिस्सा खिड़की से बाहर आ गया।

कहा-शर्म करो, ये आदमी शादीशुदा है, मानहानि केस की दी धमकी

कुमार सानू के साथ एआई फोटो पर भड़कीं कुनिका सदानंद

चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस कुनिका सदानंद सिंगर कुमार सानू के साथ AI जनरेटेड फोटो को लेकर भड़क गईं। एक यूजर ने फेक तस्वीर शेयर की, जिसे कुनिका ने गलत बताते हुएपोस्ट हटाने और मानहानि का केस दर्ज करने की चेतावनी दी।

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर AI जनरेटेड फोटो शेयर कर कुनिका को टैग करते हुए यूजर ने लिखा, "कृपया मैम, #Sanuncka को भी एक रिप्लाई दे दीजिए।"

इस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, "शर्म करो, ये आदमी शादीशुदा है और इनके बच्चे भी हैं। कोर्ट ने उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स भी दिए हैं। इसके लिए तुम मुश्किल में पड़ सकते हो।"उन्होंने आगे लिखा, "उन्हें या मेरी पर्सनल लाइफ को फैन वॉर में घसीटना बंद करो। किसी व्यक्ति के अधिकारों का सम्मान करो। मैं तुम्हारे खिलाफ मानहानि की शिकायत कर रही हूं, इसे हटा दो।"

> बता दें कि कुनिका सदानंद हाल ही में टीवी शो बिग बॉस 19 में नजर आई थीं। उन्होंने बेटा, गुमराह और खिलाड़ी जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

कुनिका और कुमार सानू रिलेशनशिप में थे

सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में कुनिका सदानंद ने बताया था कि उनका सिंगर कुमार सानू के साथ छह साल तक रिश्ता रहा। एक्ट्रेस ने कहा था, "मैं चाहती थी कि मैं उनके साथ घर बसाऊं, लेकिन उनका घर पहले से बसा हुआ था और सब ठीक था।

हो सकता है कि अगर मैं उनकी पत्नी होती, तो मैं वह सब नहीं कर पाती जो मैंने आज किया है, क्योंकि मेरे काम पर उनकी काफी बंदिशें थीं। जैसे- तुम आउटडोर नहीं जाओगी, तुम दुबई शूटिंग करने नहीं जाओगी। इस तरह की कई पाबंदियां थीं।"

इमरान हाशमी के घर के बाहर जमा हुए फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी ने मंगलवार को अपना 47वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर मुंबई स्थित उनके घर के बाहर फैंस और फोटोग्राफर्स की भीड़ जुटी। इमरान शूटिंग के चलते शहर में मौजूद नहीं थे, इसलिए उनके बेटे अयान ने वीडियो कॉल के जरिए फैंस की उनसे बात करवाई। जन्मदिन के मौके पर इमरान हाशमी को सोशल मीडिया और इंडस्ट्री से शुभकामनाएं मिलीं। इसी दौरान उनके घर के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए फैंस उनका नाम पुकारते हुए उनके फिल्म के डायलॉग्स भी दोहराए।

इमरान हाशमी की गैरमौजूदगी में उनके बेटे अयान घर से बाहर आए और फैंस से मुलाकात की। उन्होंने अपने पिता को वीडियो कॉल किया, जिसके जरिए इमरान ने फैंस से बातचीत की और उन्हें धन्यवाद कहा। इस दौरान अयान फोन पकड़े नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो इमरान हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज तस्करी में नजर आए थे। वहीं, वे जल्द फिल्म आवारापन 2 में नजर आएंगे, जो 2007 में आई उनकी ही फिल्म आवारापन का सीक्वल है। आवारापन का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था, जबकि सीक्वल का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं और इसे बिलाल सिद्दीकी ने लिखा है।

बर्थडे के दिन मुंबई में नहीं थे एक्टर बेटे ने वीडियो कॉल के जरिए कराई बात

ईरान संकरे रास्ते का फायदा उठा रहा, यहां अमेरिकी वॉरशिप भी सुरक्षित नहीं

ट्रम्प के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना मुश्किल क्यों

युद्ध

- सबसे बड़ा खतरा समुद्र में बिछाई गई माइंस से है। अगर पानी में माइंस होने का जरा सा भी शक हो, तो कोई भी देश अपने बड़े जहाज वहां भेजने का जोखिम नहीं उठाएगा।
- माइंस हटाने का काम बहुत धीमा होता है और इसमें कई हफ्ते लग सकते हैं। इस दौरान जो टीमें माइंस हटाती हैं, उन्हें भी सुरक्षा की जरूरत होती है, क्योंकि वे खुद हमले का आसान निशाना बन सकती हैं।

वॉशिंगटन डीसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहा युद्ध अब इतना बढ़ गया है कि होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद हो गया है। इस वजह से सैकड़ों तेल टैंकर दोनों तरफ खड़े हैं और आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इससे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी हैं। इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि वह इस समुद्री रास्ते को 'किसी भी तरह' फिर से खोलेंगे। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह काम इतना आसान नहीं है। अगर ईरान से कोई समझौता नहीं होता या अमेरिका कोई बड़ा मिलिट्री एक्शन नहीं लेता, तो इस रास्ते पर पूरी तरह से आवाजाही बहाल करना मुश्किल होगा। इस समय फारस की खाड़ी में करीब 500 तेल टैंकर खड़े हैं और ज्यादातर आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

युद्ध से पहले हर दिन लगभग 80 तेल और गैस के टैंकर इस रास्ते से गुजरते थे। अब जहाज मालिक और बीमा कंपनियां तभी तैयार होंगी जब उन्हें लगेगा कि खतरा काफी कम हो गया है। अगर जोखिम ज्यादा रहा, तो वे इस रास्ते का इस्तेमाल नहीं करेंगे। भले ही अमेरिका बड़ा एस्कॉर्ट ऑपरेशन शुरू कर दे, लेकिन वह एक समय में सीमित जहाजों को ही सुरक्षा दे सकता है। यानी सभी टैंकरों को एक साथ सुरक्षित निकालना संभव नहीं होगा। इतना बड़ा सैन्य अभियान अमेरिका की बाकी सैन्य ताकत पर भी दबाव डाल सकता है, क्योंकि उसे अपने संसाधन दूसरे इलाकों से हटाने पड़ सकते हैं। आखिर में विशेषज्ञ यही मानते हैं कि जब तक ईरान की तरफ से खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता, तब तक इस स्ट्रेट में सामान्य स्थिति लौटना मुश्किल है।

ट्रम्प के लिए होर्मुज का हल ढूंढना बहुत मुश्किल

ट्रम्प ने इस रास्ते को खोलने के लिए कई बार अलग-अलग दावे कर चुके हैं। एक बार तो उन्होंने यह भी कहा कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर के साथ मिलकर इस रास्ते को कंट्रोल कर सकते हैं। लेकिन असल में अमेरिका जिन विकल्पों पर विचार कर रहा है, उनमें ज्यादातर सैन्य कार्रवाई ही शामिल है।

अगर अमेरिका सैन्य ताकत से इस रास्ते को खोलना चाहता है, तो सबसे पहले उसे ईरान की हमले की क्षमता खत्म करनी होगी। यानी उसे मिसाइल सिस्टम, ड्रोन और उन ठिकानों को नष्ट करना होगा जहां से ईरान जहाजों पर हमला कर सकता है।

लेकिन अब तक अमेरिका और इजराइल के हजारों हमलों के बावजूद ईरान की यह क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान के पास कई जगहों पर मिसाइल बैटरी हो सकती हैं और वे मोबाइल भी होती हैं, यानी उन्हें जल्दी-जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इसलिए उन्हें ढूंढना और खत्म करना बहुत मुश्किल है।

अमेरिकी वॉरशिप भी होर्मुज में सुरक्षित नहीं

ट्रम्प ने यह भी कहा है कि जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए नौसेना के जहाज उनके साथ चल सकते हैं। इसे एस्कॉर्ट ऑपरेशन कहा जाता है। इसमें वॉरशिप टैंकरों के साथ चलेंगे, ऊपर से विमान निगरानी करेंगे, ड्रोन को मार गिराएंगे और तट पर मौजूद मिसाइल ठिकानों पर हमला करेंगे। इसके साथ ही समुद्र में अगर बारूदी सुरंगें (माइंस) बिछाई गई हैं, तो उन्हें हटाने के लिए माइंस-वीपर जहाजों को लगाया जाएगा। लेकिन यह सब करना बहुत बड़ा और जटिल सैन्य अभियान होगा। इसमें काफी समय, संसाधन और जोखिम शामिल होंगे। वॉरशिप खुद भी इस इलाके में पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि होर्मुज जैसे संकरे इलाके में जहाजों को चारों तरफ से खतरा रहता है। ड्रोन और मिसाइल से बचाव करना यहां और मुश्किल हो जाता है।

इसके अलावा, ईरान ने सिर्फ होर्मुज स्ट्रेट में ही नहीं, बल्कि फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में भी जहाजों पर हमले किए हैं। इसका मतलब है कि जहाजों को पूरे रास्ते में सुरक्षा देनी होगी, जिससे यह मिशन और लंबा और जटिल हो जाता है।

समुद्र में बिछी माइंस सबसे बड़ा खतरा

जमीन पर कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है। अमेरिकी मरीन सैनिक इस इलाके की तरफ भेजे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें स्ट्रेट के आसपास के छोटे-छोटे द्वीपों पर तैनात किया जा सकता है, जहां से वे हमले रोकने या एयर डिफेंस सिस्टम लगाने का काम कर सकते हैं। लेकिन ईरान की बड़ी आर्मी को देखते हुए उसके मुख्य इलाके में घुसना बहुत जोखिम भरा होगा। अगर अमेरिकी सैनिक मारे गए या पकड़ लिए गए, तो इससे हालात और बिगड़ सकते हैं और युद्ध और बढ़ सकता है। मान लें कि अमेरिका किसी तरह इस रास्ते को खोल भी देता है, तब भी समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी। सिर्फ एक मिसाइल या ड्रोन हमला भी फिर से डर पैदा कर सकता है और जहाज कंपनियां दोबारा इस रास्ते से गुजरने से बचेंगी।

संकरे रास्ते का फायदा उठाता है ईरान

ईरान की मजबूती की सबसे बड़ी वजह इस इलाके की भौगोलिक स्थिति है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत संकरा और उथला है। यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरान के पहाड़ी तट के बहुत करीब से गुजरना पड़ता है। यही वजह है कि ईरान इस इलाके का फायदा उठाकर दुश्मनों पर हमले करता है। ईरान के पास ऐसे हथियार हैं जो छोटे होते हैं, आसानी से छिपाए जा सकते हैं और अचानक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ये हथियार पहाड़ों, गुफाओं और सुरंगों में छिपे होते हैं। जरूरत पड़ने पर इन्हें तट के पास से ही लॉन्च किया जा सकता है। इस वजह से जहाजों को हमला होने पर प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय मिलता है। जैसे ही मिसाइल या ड्रोन दिखाई देता है, उसके बाद कार्रवाई के लिए सिर्फ कुछ मिनट ही होते हैं।

सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद

निफ्टी में भी 394 अंक की तेजी रही

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 25 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स 1205 अंक (1.63%) की तेजी के साथ 75,273 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 394 अंक (1.72%) की तेजी रही, ये 23,306 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में बढ़त रही। आज ऑटो, बैंकिंग, मेटल और FMCG शेयर ज्यादा चढ़े।

मिडिल ईस्ट का तनाव खत्म होने के संकेतः अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत की खबरों से बाजार में रौनक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कई अहम मुद्दों पर सहमति बन गई है। ग्लोबल मार्केट से मिले अच्छे संकेतों का असरः दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ा दिया है। शुरुआती कारोबार में लगभग सभी बड़े एशियाई बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में रहे।

कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के नीचे गिरींः मिडिल ईस्ट संकट को सुलझाने के लिए अमेरिका की कूटनीतिक कोशिशों के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 5% से ज्यादा की भारी गिरावट आई है। अब यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया है। आज कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। ब्रेंट क्रूड आज 5% बढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है।

अमेरिका का लागार्डिया प्लेन हादसा, मौत को मात

हादसे में बाहर गिरी अटेंडेंट, बची

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के लागार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार देर रात एयर कनाडा जैज का एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे पर खड़े फायर ट्रक से टकरा गया। हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई। दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इसी टक्कर में फ्लाइट अटेंडेंट सोलांज ट्रेम्ब्ले सीट से बंधी होने के बावजूद विमान से बाहर जा गिरीं, लेकिन उनकी जान बच गई। परिवार ने इसे चमत्कार बताया है। ट्रेम्ब्ले की बेटी सारा लेपिन ने कनाडाई चैनल से कहा कि उनकी मां के एक पैर में कई फ्रैक्चर हैं और सर्जरी करनी पड़ेगी, लेकिन बाकी हालत ठीक है। लेपिन ने कहा कि मैं अब भी समझने की कोशिश कर रही हूं कि ये सब कैसे हुआ, लेकिन लगता है कोई गार्जियन एंजेल उनकी रक्षा कर रहा था। विमान मॉन्ट्रियल से आ रहा था। इसमें 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर थे। अधिकारियों के मुताबिक लैंडिंग के वक्त रनवे पर मौजूद फायर ट्रक से विमान की टक्कर हुई। एविएशन सेफ्टी एक्सपर्ट जेफ गुजेट्टी ने कहा कि विमान के आगे के हिस्से में भारी नुकसान को देखते हुए ट्रेम्ब्ले का बचना हैरान करने वाला है।

फास्ट न्यूज

ईरान के साथ बातचीत में जुटा अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में बड़ा बयान देते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच अभी बातचीत चल रही है। उन्होंने दावा किया कि दोनों तरफ से डील करने की इच्छा है और जल्द ही युद्ध का हल निकल सकता है। ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमले और ज्यादा तेज करने के बजाय बातचीत को मौका देने के लिए उन्होंने ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले पांच दिन के लिए टाल दिए हैं।

इराक में ईरान की एयरस्ट्राइक, सात सैनिकों की मौत 13 घायल

नई दिल्ली। ईरान ने पश्चिमी इराक के अनबार प्रांत में एयर-स्ट्राइक की है। ईरान के इस हमले में 7 इराकी सैनिकों की मौत हो गई है। वहीं 13 घायल हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा सूत्रों और रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि पश्चिमी अनबार में एक सेना चिकित्सा केंद्र के पास, इराक के शिया 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस' से संबंधित एक जगह पर हुए हवाई हमले में सात इराकी सैनिक मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए।

'ट्रंप कर रहे 10 दिनों का इंतजार और फिर होगा'

नई दिल्ली। ईरान के साथ जंग को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की उनके ही देश में जमकर आलोचना हो रही है। ताजा घटनाक्रम में व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार और अमेरिकी सुरक्षा विशेषज्ञ रॉबर्ट पेप ने कहा है कि ट्रंप अब एक जाल में फंस चुके हैं और अगर वह ईरान में सैनिक उतार देते हैं तो वह इसमें और भी उलझ जाएंगे।

जोमैटो के बाद स्विगी से भी खाना मंगवाना महंगा हुआ

प्लेटफॉर्म फीस 17% बढ़ाई, हर ऑर्डर पर 14 की जगह 17.58 देने होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

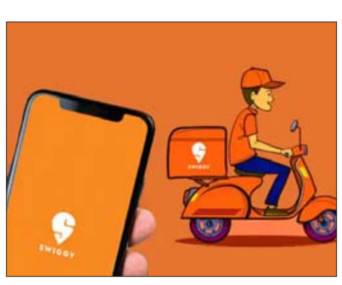

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के बाद अब स्विगी से भी खाना मंगाना महंगा हो गया है। कंपनी ने आज 24 मार्च से हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 17% की बढ़ोतरी की है।

यूजर्स को हर ऑर्डर पर 14 रुपए के बजाय अब 17.58 (GST सहित) यानी 3.58 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। यह बढ़ोतरी डिलीवरी ऑपरेशंस की लागत बढ़ने के कारण की गई है।

जोमैटो ने 20 मार्च को ही अपनी प्लेटफॉर्म फीस 19% यानी 2.40 बढ़ाकर 14.90 (बिना GST) कर दी थी। टैक्स (GST) जोड़ने के बाद दोनों कंपनियों की प्रभावी प्लेटफॉर्म फीस अब लगभग 17.58 के बराबर हो गई है। यानी अब आपको दोनों प्लेटफॉर्म से खाना मंगवाने पर लगभग बराबर एक्स्ट्रा चार्ज देना होगा।

प्लेटफॉर्म फीस वह फिक्स्ड चार्ज है जो फूड बिल, रेस्टोरेंट चार्ज और डिलीवरी फीस के अलावा हर ऑर्डर पर वसूला जाता है। कंपनियां इसे अपने ऑपरेटिंग कॉस्ट (संचालन लागत), टेक्नोलॉजी मेंटेनेंस और कस्टमर सपोर्ट जैसी सेवाओं को बेहतर बनाने और उनके खर्च को कवर करने के लिए लेती हैं।

अप्रैल 2023 से प्लेटफॉर्म फीस लेने की शुरुआत हुई थी

कंपनी ने 7 महीने में दूसरी बार प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। इससे पहले अगस्त-2025 में 17% यानी 2 रुपए का इजाफा किया गया था। तब प्लेटफॉर्म फीस 12 रुपए से बढ़कर 14 रुपए हो गई थी।

स्विगी ने अप्रैल 2023 में सबसे पहले प्लेटफॉर्म फीस शुरू की थी, ताकि कंपनी अपने यूनिट इकोनॉमिक्स को बेहतर कर सके। तब से कंपनी ने धीरे-धीरे इस फीस को कई बार बढ़ाया है। शुरुआत में यह फीस मात्र 2 रुपए थी।

10 ग्राम सोना 5 हजार महंगा होकर 1.45 लाख का हुआ

चांदी 9 हजार बढ़कर 2.34 लाख पर पहुंची

कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 25 मार्च को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5 हजार बढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 9 हजार बढ़कर 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 11 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 3 हजार रुपए महंगी हुई है। एक्सपर्ट्स के इनुसार, रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद सोना फिलहाल 'करेक्शन फेज' (कीमतों में सुधार) में है। शॉर्ट टर्म में मोमेंटम थोड़ा कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन लॉन्ग टर्म में तेजी का रुझान बरकरार है। ऐसे में निवेशक सोने में थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का ध्यान रखें

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्टः असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्टः सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ बहुत तेजी से पिघलेगी।

स्मेल टेस्टः असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आ सकती है।

क्लॉथ टेस्टः चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

सफाई : डिलीवरी के 25 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर बुक होगा, नियमों में कोई बदलाव नहीं

35 दिन बाद गैस बुकिंग की बात झूठ : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है जिनमें गैस सिलेंडर बुक करने के नियमों में बदलाव की बात कही जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अब पीएम उज्ज्वला योजना (PMUY) वाले उपभोक्ता अब 45 दिन और नॉन-PMUY उपभोक्ता दूसरा सिलेंडर 35 दिन बाद ही बुक करा सकेंगे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि ऐसा कोई बदलाव नहीं किया गया है। रीफिल बुकिंग के पुराने नियम ही लागू रहेंगे और उनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरे सिलेंडर की बुकिंग 25 दिन बाद कर सकेंगे। 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के मुकाबले 19 किलो वाले कॉमर्शियल LPG सिलेंडर की सप्लाई पर कहीं ज्यादा दबाव है। 22 मार्च को केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कॉमर्शियल LPG के कोटे में 20% की अतिरिक्त बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। इसके साथ ही अब कुल आवंटन बढ़कर 50% हो गया है। हालांकि, डिस्ट्रीब्यूटर्स का कहना है कि इस फैसले का जमीन पर असर दिखने में अभी दो से तीन दिन का समय लग सकता है।

■ पूरे देश में गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ती जा रही है।

पीएनजी सप्लाई के 4 नए नियम

- अब एक घर में पीएनजी (पाइप गैस) और एलपीजी (सिलेंडर) दोनों कनेक्शन रखना गैर-कानूनी होगा।
- जिनके पास पीएनजी कनेक्शन एक्टिव है, वे अब अपने एलपीजी सिलेंडर की रिफिलिंग (बुकिंग) नहीं करा सकेंगे।
- जिनके पास दोनों सुविधाएं हैं, उन्हें अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन विभाग को तुरंत सरेंडर करना होगा।
- पाइप गैस (पीएनजी) वाले उपभोक्ता अब नए घरेलू एलपीजी कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे।

कई बार हाउसिंग सोसाइटियों या RWA (रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था। अब ऐसा नहीं होगा।

अगर कोई कंपनी पाइपलाइन के लिए रास्ता मांगती है तो सोसाइटी को 3 दिन के भीतर मंजूरी देनी होगी।

अगर सोसाइटी ने मना किया या देरी की तो वहां रहने वाले सभी घरों की PNG सप्लाई पर रोक लगाई जा सकती है।

पाइपलाइन बिछाने के लिए अब सरकारी विभागों को फाइलों को लटकाने की इजाजत नहीं है।

छोटे नेटवर्क के लिए 10 दिन और बड़ी लाइनों के लिए 60 दिन में मंजूरी देना अनिवार्य है।

पीएनजी का काम तेजी से होगा

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'अनिवार्य वस्तु अधिनियम, 1955' के तहत एक नया आदेश जारी किया है। इस नए नियम का मकसद देशभर में गैस पाइपलाइन बिछाने और उनके विस्तार के काम को रफ्तार देना है।

अब पाइपलाइन के काम में जमीन मिलने या मंजूरी मिलने में होने वाली देरी खत्म होगी, जिससे रिहायशी इलाकों (Residential areas) तक गैस इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से पहुंच सकेगा।

ईरानी सेना ने ट्रंप के दावों का मजाक बनाते हुए कहा, 'मनगढ़ंत बात कर रहे हैं वो'

नई दिल्ली। ईरानी सेना के एक प्रवक्ता ने बुधवार को संघर्ष-विराम समझौते की अमेरिकी कोशिशों का मजाक उड़ाते हुए कहा कि अमेरिकी लोग तो बस खुद से ही बातचीत कर रहे हैं।

ईरानी सेना के 'खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोल्फगारी ने यह बयान रिकॉर्ड किए गए वीडियो में दिया, जिसे सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित किया गया।

उन्होंने कहा, जिस रणनीतिक शक्ति की आप पहले बात किया करते थे, वह अब एक रणनीतिक विफलता में बदल गई है। जो खुद को वैश्विक महाशक्ति होने का दावा करता है, अगर वह ऐसा कर पाता तो इस मुसीबत से अब तक बाहर निकल चुका होता। अपनी हार को समझौते का नाम मत दो। तुम्हारे खोखले वादों का दौर अब खत्म हो चुका है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96